

स्टेट ब्रीफ

याचिका खारिज, 50 हजार का लगा जुर्माना

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने बीएसएम कालेज रुड़की में वितीय अनियमितताओं के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका को आधारहीन मानते हुए निरस्त कर दिया है। साथ ही खंडपीठ ने याचिकाकर्ता बीएसएम कालेज की सेवानिवृत्त प्रोफेसर अनिता शर्मा पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए उस राशि को न्यायालय के लीगल हंड विभाग में जमा करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता ने कॉलेज की स्वीकृत योजनाओं का लाभ छात्रों को नहीं मिलने का आरोप लगाया था।

हाईकोर्ट से आयुष छात्रों को बड़ी राहत

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता की खंडपीट में 12 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई, जिसमें विभिन्न आयुर्वेदिक कॉलेजों और छात्रों ने प्रदेशों को नियमित करने तथा परीक्षा परिणाम घोषित करने की मांग की गई थी। खंडपीठ ने सभी संबंधित याचिकाओं का निस्तारण करते हुए विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि पात्र छात्रों के प्रवेश नियमित मानते हुए उनके परिणाम घोषित करें तथा आवश्यक होने पर उन्हें बैक पेपर परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाए। इस फैसले से वर्षों से अनिश्चितता का सामना कर रहे सैकड़ों आयुष छात्रों को बड़ी राहत मिली है।

सोमनाथ सनातन आस्था का जीवंत प्रतीक: धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सोमनाथ भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और अदम्य आत्मबल का जीवंत प्रतीक है। हजारों वर्षों के इतिहास और अनेक आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ आज भी पूरे विश्व को यह संदेश देता है कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की शक्ति अटूट एवं अमर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 से 11 मई के बीच सोमनाथ मंदिर परिसर में आयोजित होने जा रहा “विरासत वर्ष के 75 वर्ष” कार्यक्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की

पंचूर पहुंचे सीएम योगी, सीएम धामी के साथ साझा की विकास की दृष्टि

दोनों मुख्यमंत्रियों के मिलन के साथ ही विकास कार्यों का साक्षी बना यमकेश्वर क्षेत्र

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: यमकेश्वर गुरुवार को दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मिलन और विकास कार्यों का साक्षी बना। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रूप से यमकेश्वर क्षेत्र का भ्रमण कर महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिठ्याणी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे। यहां उन्होंने श्री विष्णु महायज्ञ में प्रतिभाग किया और परिवार व ग्रामीणों के साथ आध्यात्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बने।

वहीं, मुख्यमंत्री धामी ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व की सराहना करते हुए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की बरसी का उल्लेख किया। उन्होंने क्षेत्र को बड़ी सीगात देते हुए



यमकेश्वर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भावी विकास कार्यों की योजना बताते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

बिठ्याणी महाविद्यालय को ‘आदर्श कॉलेज’ के रूप में विकसित करने और क्षेत्र में मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और खेल सुविधाएं देने हेतु संकल्पबद्ध है, जिसके क्रम में इस महाविद्यालय को हाईटेक किया जा रहा है।

महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिठ्याणी पहुंचने पर छात्राओं ने पारंपरिक भव्यता के

साथ दोनों मुख्यमंत्रियों का भावपूर्ण अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल तकनीक का अनुठा उदाहरण तब देखने को मिला जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं एआई बॉट से संवाद कर महाविद्यालय की परीक्षा प्रणाली व परिणामों की समीक्षा की, जबकि मुख्यमंत्री धामी ने छात्र संख्या और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय के नए भवन व सेमिनार हॉल का उद्घाटन और ‘विकसित भारत एक

संकल्प’ पुस्तक का विमोचन भी गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।

युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए महाविद्यालय परिसर में ओपन जिम का शिलान्यास किया गया। दोनों सीएम ने स्वयं जिम उपकरणों पर व्यायाम कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। प्रस्तावित स्टेडियम के लिए चिन्हित भूमि के निरीक्षण के दौरान आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही यह जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

विरोधी फंसाने को गढ़ी सामूहिक दुष्कर्म की कहानी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- **एसपी चंपावत का खुलासा, भाजपा ने कहा-शर्मनाक रवैये के लिए कांग्रेस माफी मांगे**
- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बोला कांग्रेस पर तीखा हमला**



भाजपा को टारगेट करने की साजिश

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिर्फ और सिर्फ राजनैतिक लाभ के लिए कांग्रेस नेताओं ने इस घटना के माध्यम से भाजपा को टारगेट करने की साजिश की जबकि गुरुवार को पुलिस की शुरुआती जांच और परिस्थितियन्त्र साक्ष्यों से स्पष्ट हो गया कि तथाकथित पार्टी कार्यकर्ता का घटना से कोई लेना देना नहीं था और उसे बदला लेने के लिए फंसाया गया था। अब यह बात शीघे की तरह साफ हो गई है कि किस तरह कांग्रेस पार्टी आपराधिक घटनाओं में राजनैतिक साजिश के तहत भाजपा को बदनाम करने की कोशिश में लगी है। कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है कि कांग्रेस राजनैतिक लाभ के लिए किसी निर्दोष के जीवन को दांव पर लगा सकती है, बस उसका संबंध भाजपा से होना चाहिए। उन्हें न तो किसी मातृ शवित की छवि खराब होने की चिंता है और न ही देवभूमि की।

गवाहों के बयान तकनीकी और परिस्थितियन्त्र साक्ष्यों से मेल नहीं खाते पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य साजिशकर्ता कमल

रावत द्वारा बदले की भावना से प्रेरित होकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत नाबालिगा को झूठा प्रलोभन व हथला-फुसलाकर अपने बदले की



देहरादून में आयोजित सम्मेलन में पारस को सम्मानित करते अतिथि।। ● अमृत विचार

‘रिसर्चर ऑफ द ईयर’ पुरस्कार से नवाजे गए पारस
अल्मोड़ा, अमृत विचार : वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों पर पारस उपाध्याय को रिसर्चर ऑफ द ईयर पुरस्कार से नवाजा गया है। उनको यह पुरकार बीते दिनों देहरादून में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिया गया। उनकी इस उपलब्धि पर संस्थान में खुशी की लहर है। पारस उपाध्याय जीबी पंत पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल अल्मोड़ा में शोधार्थी हैं। बीते दिनों देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पारस ने हिस्सा लिया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, कृषि विशेषज्ञों, छात्रों और उद्योग जगत को एक मंच पर लाकर सतत कृषि के माध्यम से भविष्य की खाद्य प्रणालियों पर मंथन करना था। वहीं, पारस केंद्र सरकार की कई विभिन्न वैज्ञानिक परियोजनाओं में पिछले छह वर्षों से कार्य कर रहे हैं। उन्हें वर्ष 2025 में ग्रामीण विज्ञान व विज्ञान समाज श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए युवा वैज्ञानिक से भी सम्मानित किया गया था।

हालात

सर्वाइकल कैंसर से बचाने वाली वैक्सीन योजना को लगा जोर का झटका

लक्ष्य से दूर लड़खड़ाया एचपीवी वैक्सीनेशन मिशन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले के लिए आई 9400 वैक्सीन में से अब तक केवल 140 एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले के लिए आई 9400 वैक्सीन में से अब तक केवल 140 एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले के लिए आई 9400 वैक्सीन में से अब तक केवल 140

एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीन 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को दी जाती है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। खास बात



कोविड के बाद ऐसी उदासीनता
हल्द्वानी : स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार कोविड वैक्सीन को लेकर हर आयुवर्ग के लोगों में काफी उत्साह था। उस समय तो स्लॉट आते ही बुक हो जाता है। युवा भी इस वैक्सीन को लेकर काफी उत्साहित थे। साथ ही बच्चों को लगाई जाने वाली वैक्सीन को लेकर भी अब काफी अच्छे नतीजे आ रहे हैं, फिर एचपीवी वैक्सीन को लेकर लोगों में इस तरह के भ्रम और संदेह चिंता की बात है।

यह है कि जहां निजी संस्थानों में यह वैक्सीन 4 से 5 हजार रुपये तक की पड़ती है, वहीं सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर इसे निशुल्क

उपलब्ध कराया जा रहा है। अभियान की शुरुआत पूरे देश में 28 फरवरी से की गई थी। नैनीताल जिले में शुरुआती दौर में

मानसून से पहले गड्ढा मुक्त हो जाएं राज्य की सड़कें: सीएस

संवाददाता, देहरादून/नैनीताल

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में आगामी मानसून सीजन को लेकर विभागों एवं जनपदों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों को मानसून पूर्व तैयारियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मानसून के दौरान जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि मानसून के दौरान आगामी कुछ महीने अत्यंत संवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण रहेंगे।

वर्तमान में चारधाम यात्रा भी संचालित हो रही है, ऐसे में सभी रेखीय विभागों को 24×7 अलर्ट मोड में कार्य करना होगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून शुरू होने से पूर्व सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करते हुए क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत पूरी कर ली जाए। बिजली एवं पेयजल विभाग को विद्युत लाइनों,



मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

ट्रांसफार्मरों तथा पेयजल लाइनों की पूर्व मरम्मत एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि मानसून अवधि में विद्युत एवं जलापूर्ति अधिक समय तक प्रभावित न हो। उन्होंने शहरी विकास विभाग, नगर निकायों तथा जिलाधिकारियों को नालों एवं नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जलभराव की स्थिति किसी भी दशा में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए तथा नदी-नालों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाले अवरोधों एवं अतिक्रमणों को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि कामचलाऊ व्यवस्थाओं से बचते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किए जाएं। मुख्य सचिव ने राज्य में नदी तटीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को

देखते हुए नदियों के चैनलाइजेशन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि नदी मार्ग में जमा आरबीएम को हटाया जाए ताकि नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित न हो और कटाव से आबादी एवं आधारभूत संरचनाओं को नुकसान न पहुंचे। कहा कि सरकार द्वारा संसाधनों की कोई कमी नहीं रखे जाएगी, इसलिए सभी विभाग अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें।

बैठक में सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में विभिन्न रेखीय विभागों के नोडल अधिकारियों की तैनाती की जा चुकी है तथा मानसून अवधि के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। बैठक में वीसी से जुड़े कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने मानसून सत्र में सड़क मार्ग में मोटर पुल क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था में बैली ब्रिज स्थापित कर आवागमन सुचारू करने हेतु कुमाऊं के लिए अतिरिक्त बैली ब्रिज उपलब्ध कराने की बात रखी। जिस पर सीएस ने सचिव लोनिवि को तत्काल कुमाऊं मंडल हेतु अतिरिक्त बैली ब्रिज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

धेनु एग्रो ठगी में 50 हजारी डीपी आगरा से गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून/ रुद्रपुर

अमृत विचार: हरिद्वार से लाखों की ठगी में वांछित इनामी बदमाश को एसटीएफ कुमाऊं और सीबीसीआईडी सेक्टर देहरादून ने आगरा से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 में हरिद्वार में धेनु एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी ने ज्वालापुर में कार्यालय खोला। इसके बाद कंपनी से लोगों की आरडी और फिक्स डिपॉजिट कर धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने इन मुकदमों में संचालक अनिल तिवारी और देवेन्द्र प्रकाश तिवारी को चिह्नित किया। अनिल को पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के कुछ ही दिन

बाद गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता कानपुर यूपी निवासी देवेन्द्र प्रकाश तिवारी की गिरफ्तारी के पुलिस ने काफी प्रयास किए, लेकिन हाथ नहीं आया। इस दौरान आरोपी वेशभूषा और नाम बदलकर स्थान बदलता रहा। जिसके बाद पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था।

एसएसपी ने बताया कि, एसटीएफ कुमाऊं और सीबीसीआईडी देहरादून की संयुक्त टीम को सूचना मिली कि फरार आरोपी आगरा में देखा गया है। संयुक्त टीम ने आगरा के डौकी इलाके में दबिश देकर नामजद आरोपी देवेन्द्र प्रकाश तिवारी को गिरफ्तार कर लिया।

डैम के निकासी गेटों की मरम्मत शुरू

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ब्रिटिशकालीन भीमताल डैम में झील के पानी की निकासी वाले गेटों की मरम्मत का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चंद्र बृजवासी ने बताया कि उनके द्वारा पूर्व में प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र भेजने के बाद डैम के जीर्णोद्धार के लिए केंद्र की विशेषज्ञ टीम ने निरीक्षण किया था।

अधिशारी अभियंता सिंचाई विभाग मनमोहन विष्ट ने बताया कि वर्तमान में सात नए निकासी गेट बनकर डैम पर पहुंच गए हैं और उन्हें लगाने का कार्य शुरू हो गया है।

भाभा अनुसंधान केंद्र, रुड़की डैम सेफ्टी टीम और केंद्र की विशेषज्ञ टीम ने डैम का बारीकी से सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की थी। उसी



भीमताल डैम। ● अमृत विचार

रिपोर्ट के आधार पर धन स्वीकृत हुआ। डैम से हो रहे रिसाव को रोकने में वैज्ञानिकों को सफलता मिल चुकी है। अब सिस्टम-बाय-सिस्टम अन्य कार्य किए जा रहे हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी ने बताया कि एक बड़ी समस्या अभी भी बाकी है। डैम में कुल नौ निकासी गेट हैं।

इनमें से मुख्य गेट पिछले 30 वर्षों से जाम होकर बंद पड़ा है। इसके कारण झील में गाद और मिट्टी जमा होकर सड़ रही है, जिससे झील की निर्मलता प्रभावित हो रही है। उन्होंने मुख्य गेट को शीघ्र खोलने और डैम से संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की मांग की है।

नौकरी की तलाश में निकला, मिली मौत

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: ज्वालापुर पुलिस ने तीन दिन की लगातार मेहनत और सूझबूझ के बाद एक अज्ञात शव की शिनाख्त कर संवेदनशील पुलिसिंग का उदाहरण पेश किया है।

एसएसपी नवनीत सिंह के अनुसार, 4 मई को ज्वालापुर क्षेत्र स्थित रेगुलेटर पुल के पास जटवाड़ा पुल गंगनहर से एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद हुआ था। शव के पास कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिलने से उसकी शिनाख्त चुनौतीपूर्ण बनी थी। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से एक पुराना और टूटा मोबाइल फोन मिला, जिसमें सिम कार्ड लगा था।

पुलिस ने सिम को एक्टिव किया तो उस नंबर पर कॉल करने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि, यह नंबर बिट्टू का है, जो उसके यहां कारपेंटर था। इस व्यक्ति ने बिट्टू की पुत्री हंसा देवी का नंबर हरिद्वार पुलिस को दिया तो हंसा ने बताया कि उनके पिता ताराचंद (59) उर्फ बिट्टू निवासी राजगढ़, जिला मंडी हिमाचल प्रदेश नौकरी की तलाश में निकले थे और करीब एक सप्ताह से लापता थे। बिट्टू के पुत्र नवीन कुमार ने परिजनों के साथ हरिद्वार पहुंचकर मोचंरी में शव की आधिकारिक पहचान की। परिजनों ने कहा कि, पुलिस को इस कारवाही से परिवार को उनके पिता के अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार का अवसर मिल सका।

सिटी इवेंट्स

● अंडर – 16 जिला क्रिकेट लीग के जीएनजी मैदान में मंच होगा सुबह 10 बजे से

सिटी ब्रीफ

आपत्तिजनक पोस्ट डालने का आरोप

हल्द्वानी : शहर निवासी एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उसकी बेटी और भाई के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट साझा किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है । मामले में एसएसपी नेनीताल को तहरीर देकर संबंधित आईडी संचालकों के खिलाफ जांच की मांग की गई है । उत्तर उजाला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ सोशल मीडिया आईडी से उसकी पुत्री और भाई के संबंध में अभद्र और आपत्तिजनक पोस्ट डाली जा रही हैं, जिससे परिवार मानसिक रूप से परेशान है । इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है ।

तेज रफ्तार वाहनों पर पुलिस का शिकंजा

हल्द्वानी : सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने पबाली–अल्मोड़ा हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया । एसएसपी नेनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर खेरना क्षेत्र में इंटरसेप्टर वाहन और रडार गन की मदद से वाहनों की गति जांची गई । अभियान के दौरान निगराित सीमा से अधिक गति में वाहन चलाते पाए जाने पर कुल 24 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई । पुलिस के अनुसार चालान किए गए वाहनों में 15 कार, तीन टैक्सी, चार बस और दो ट्रक शामिल हैं ।

विकास ने हल्दूपोखरा दरम्वाल का किया दौरा

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने गुरुवार को हल्दूपोखरा दरम्वाल में जनता मिलन किया और क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की । इस दौरान जनता ने रकसिया नाले के आउटफॉल निर्माण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं विधायक वंशीधर भगत का आभार जताया । भगत ने कहा कि प्रदेश सरकार के जनहितकारी निर्णयों एवं विकास योजनाओं से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है । इस दौरान प्रधान गंगोत्री देवी, कमल बेलवाल, दिलीप सिंह नेगी, वीरू पाल, मनोहर बेलवाल, किशन बिष्ट, रोहित पांडे, राहुल बेलवाल, पंकज निगलटिया, जिलोक निगलटियां, कविता ऐसी, इंग्रार सिंह नेगी, कुशाल सिंह, चंदन सिंह मेहता रहे ।

रोडवेज शौचालय पर विवाद, कर्मी पर हमला

हल्द्वानी : रोडवेज स्टेशन हल्द्वानी के परिसर में गुरुवार दोपहर मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया । शौचालय का शुल्क मांगने पर कुछ युवकों ने वहां मौजूद कर्मचारी के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया । प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर के समय पांच युवक रोडवेज परिसर स्थित सार्वजनिक शौचालय में पहुंचे । उपयोग करने के बाद जब वे बिना शुल्क दिए बाहर निकलने लगे तो वहां देखरेख कर रहे विजय नामक युवक ने उनसे निर्धारित पैसे देने को कहा । इस बात पर युवकों का गुस्सा भड़क गया । कहासुनी के दौरान युवकों ने विजय से हाथापुई शुरू कर दी । विरोध करने पर उसे धरकर पीटा गया । मारपीट में विजय के रिश्तेदार चोट आई और वह लालुहान हो गया । घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए । घायल युवक को उपचार के लिए बेस अस्पताल पहुंचाया । बताया जा रहा है कि आरोपी राजपुरा के रहने वाले हैं । कोतवाल विजय मेहता ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

पहल

कमाऊ पूत बने कैदी, जेल से जजी कोर्ट तक पहुंचा मंडुवे का बिस्कुट

● जेल प्रबंधन ने बेकरी उत्पाद का लोगो भी बनाया

● वर्तमान में पेटेज, क्रीमरोल, बिस्कुट और बन बनाया जा रहा

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंग्रेजों ने वर्ष 1903 में हल्द्वानी उप कारागार का निर्माण कराया था। तब वह दौर जेल में कैदियों के शोषण का था, लेकिन अब कैदी हुनरमंद बन कमाऊ पूत हो रहे हैं। जेल में एक बेकरी संचालित की जा रही है, जिसका संचालक यहां कैदी और बंदी करते हैं। बन, बिस्कुट, पेटेज, क्रीमरोल समेत तमाम बेकरी उत्पाद बना रहे हैं और अब

देव जागर का आयोजन किया , श्रद्धालुओं ने लिया न्याय के देवता गोलज्यू का आशीर्वाद और की पुष्प वर्षा नगर में गोलज्यू यात्रा की गूंज, महिलाओं ने गाए मंगल गीत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अपनी धरोहर न्यास की ओर से आयोजित तृतीय गोलज्यू संदेश यात्रा अपने 19वें दिन कुमाऊं और गढ़वाल के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर हल्द्वानी पहुंची। राम मंदिर में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, जहां सैकड़ों की संख्या में पारंपरिक वेशभूषा में सजी मानशक्ति ने पुष्प वर्षा और मंगल गीतों के साथ माहौल को भक्तिमय कर दिया।

19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर चंपावत स्थित गोलज्यू के मुख्य मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा उत्तराखंड के धार्मिक और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित



हल्द्वानी पहुंची गोलजू यात्रा में शामिल महिलाएं । ● अमृत विचार

करने का माध्यम बनी हुई है। यात्रा के मुख्य आयोजक और 'अपनी धरोहर न्यास' के केंद्रीय अध्यक्ष विजय भट्ट ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड की लोक संस्कृति का संरक्षण करना

और समाज को अपनी जड़ों से जोड़ना है।

चंपावत से शुरू होकर यात्रा खटीमा, रुद्रपुर, काशीपुर, हरिद्वार और देहरादून पहुंची। इसके बाद गढ़वाल के पौड़ी और बद्रीनाथ

धाम का भ्रमण कर पिथौरागढ़, अल्मोड़ा और रामनगर होते हुए यह यात्रा हल्द्वानी पहुंची है। रामलीला मैदान से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो बाजार क्षेत्र होते हुए गोलजू मंदिर पहुंची। यहां देव

जागर का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने न्याय के देवता गोलजू का आशीर्वाद लिया। यात्रा के स्वागत कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री लाखीराम जोशी और कमल सिंह जीना पूरी यात्रा के दौरान साथ रहे। इस दौरान न्यास के उपाध्यक्ष एनबी गुणवंत, मीडिया प्रभारी रवि दुर्गापाल, कार्यक्रम संयोजक लवेन्द्र सिंह चिलवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और स्थानीय निवासी मौजूद रहे। स्वागत समारोह में सी एस किरौला, आनंद सिंह भाकुनी, विजय तिवारी, विवेक कश्यप, साकेत अग्रवाल, सुनीता जोशी, शांति जीना, लता बोरा, भावना पांडेय और दीप्ति चुफाल आदि कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभालीं।



गोलजू यात्रा में परंपरागत वाद्ययंत्र बजाते श्रद्धालु । ● अमृत विचार

हर पांच दिन में परखेंगे कितने खुदे, कितने भरे गड्ढे

डीएम ललित मोहन रयाल करेंगे समीक्षा, यूयूएसडीए व अन्य की ओर से खोदी हुई सड़कों की मरम्मत के लिए अधीनस्थों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन पेयजल, सीवर व गैस लाइनों को बिछाने और सड़क चौड़ीकरण की आड़ में हो रही खुदाई फिर इन गड्ढों के भरण में लापरवाही पर सख्त हो गया है। 'नैनीताल डीएम ललित मोहन रयाल ने निर्देश दिए हैं कि सभी अफसर शहर से गांव तक खुदी हुई सड़कों का रोजाना जायजा लेंगे और हर पांच दिन के अंतराल पर इनकी प्रगति रिपोर्ट बनाकर सौंपेंगे ताकि समय से काम हो सके।

डीएम रयाल ने बताया कि उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी, जल संस्थान, जल निगम, सिंचाई, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम की ओर से लाइनें बिछाने व चौड़ीकरण के लिए सड़कों की खुदाई की गई है। पहले चरण में इन सभी एजेंसियों को निर्देश दिए थे कि नए गड्ढे व खुदाई तत्काल बंद कर दें। अब मानसून के आने में सिर्फ एक-डेढ़ माह का समय बचा है। ऐसे में सभी संबंधित मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त वगैरह को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित क्षेत्रों में रोजाना सड़कों की खुदाई व निर्माण का निरीक्षण करेंगे और पांच-पांच दिन के अंतराल पर प्रगति रिपोर्ट बनाकर देंगे। ऐसे में



डीएम ललित मोहन रयाल बैठक करते हुए । ● अमृत विचार

नैनीताल डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग एंड बजट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रयाल ने बताया जनपद में विकास योजनाओं में पारदर्शिता, दक्षता और प्रभावी मॉनिटरिंग को सुदृढ़ करने के मकसद से नैनीताल डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग एंड बजट मैनेजमेंट पोर्टल विकसित किया गया है। कि इस पोर्टल का उद्देश्य जनपद स्तर पर संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की योजना निर्माण, बजट आवंटन, व्यय की निगरानी एवं प्रगति की रियल-टाइम ट्रैकिंग को एकीकृत प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता के साथ-साथ समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। इसके

काफी हद तक गड्ढों को भरा जा शुरू कर दी गई है। हाल ही में हुई बारिश से पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी व आलू की फसलों को नुकसान पहुंचा है जिसके आकलन के लिए मुख्य कृषि व उद्यान अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, जिले में 150 क्रॉनिक लैंड स्लाइड हैं जहां

मानसून को लेकर सतर्कता बरतना शुरू कर दी गई है। हाला ही में हुई बारिश से पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी व आलू की फसलों को नुकसान पहुंचा है जिसके आकलन के लिए मुख्य कृषि व उद्यान अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, जिले में 150 क्रॉनिक लैंड स्लाइड हैं जहां

पोकलैंड व मैनपाँवर लगाई जाएगी ताकि आपात स्थिति पर राहत काम हो सके। इसके अतिरिक्त ऐसे स्थान जो बारिश में संपर्क मार्ग से कट जाते हैं वहां तीन माह का राशन, जीवन रक्षक दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही है। इन स्थानों की ऐसी महिलाएं जिनका

एक सप्ताह में बंद करें ट्रेंच

हल्द्वानी : नगर आयुक्त परितोष वर्मा व एसडीएम प्रमोद कुमार ने गुरुवार को यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह व गुरदीप सिंह के साथ तीनपानी के समीप बरेली रोड पर हो रहे कामों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सड़कों पर जो ट्रेंच बनाए गए हैं, उन्हें जल्द बंद किया जाए। इसके अतिरिक्त ट्रेंच के दूसरी ओर जो भवन स्थित हैं उनके पास आवाजाही का कोई रास्ता नहीं है इसलिए अस्थायी व्यवस्था की जाए। पुराने ट्रेंच के बंद होने के बाद नए ट्रेंच खोले जाएं। वर्तमान में खुली हुई ट्रेंच को पूर्ण करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। अतिरिक्त संख्या में मजदूर लगाकर यथाशीघ्र काम पूरा करने को कहा गया। दिन-रात की शिफ्ट में काम करने के निर्देश दिए गए।



नगर आयुक्त व एसडीएम ने किया निरीक्षण । ● अमृत विचार

नहीं लगाई रेट लिस्ट तो चस्पा होंगे तहसीलदार के नंबर

हल्द्वानी : डीएम रयाल ने बताया कि पर्यटन में पर्यटकों से कमरों की बुकिंग के नाम पर मोटी रकम नहीं ऐंटी जाए इसके लिए होटल, होम स्टे व गेस्ट हाउस संचालकों के साथ बैठक हुई है। इसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि सभी संचालक रिसेशन, स्वागत कक्ष में कमरों की रेट लिस्ट चस्पा करेंगे यदि कोई इसका उल्लंघन करता है तो वहां संबंधित अधिकारियों, तहसीलदारों का नंबर भी चस्पा किया जाएगा।

प्रसव मानसून में हैं, उनके लिए मौके या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव की व्यवस्थाएं कराई जा रही

हैं। साथ ही पर्याप्त मात्रा में रैबीज व एंटी वैनम रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम में बनाई गई हेल्प डेस्क

हल्द्वानी : नगर निगम में जनगणना को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए हेल्प डेस्क शुरू कर दी गई है। यह हेल्प डेस्क जनगणना में लगे प्रगणकों व सुपरवाइजरों को फील्ड संबंधी व तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा।

चाजं अधिकारी गणेश भट्ट व गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा भरने और फील्ड सर्वे के दौरान प्रगणकों व सुपरवाइजरों को कई तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम की ओर से फील्ड ट्रेनरों को तकनीकी सहायता के लिए नियुक्त किया गया है। तकनीकी सहयोग के लिए पूरन चंद्र तिवारी, पूरन रंक्षन दवाइयां भी

सहायक महासचिव हल्द्वानी मॉडयूल), ओम प्रकाश नियोलिया (क्षेत्रीय सचिव) भवान सिंह महारा, लोकेश गुरग्राही रहे।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वन विभाग ने गौला नदी से सटे इलाकों में बाढ़ से बचाव के लिए हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेशन का प्रस्ताव बनाया है। इस प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल गई है, अब चैनलाइजेशन के 4.50 करोड़ मिलने के बाद काम शुरू हो जाएगा।

वन अधिकारियों के अनुसार, तराई पूर्वी वन डिवीजन के अंतर्गत गौला नदी में देवरामपुर से लेकर लालकुआं खनन निकासी गेट के बीच हाथी कॉरिडोर है। केंद्र की ओर से इस कॉरिडोर में खनन पर प्रतिबंध है। इस वजह से गौला नदी के इस हिस्से में भारी मात्रा में आरबीएम जमा हो जाता है, निकासी नहीं होने पर कई वर्षों में आरबीएम का टीला बन जाता है। बाद में यही आरबीएम नदी के पानी की निकासी में बाधा बनता



गौला नदी के हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेशन को मंजूरी मिल गई है, शासन से बजट मिलते ही चैनलाइजेशन शुरू किया जाएगा। इसमें नदी के बीचों बीच जमे मलबे को दोनों ओर व्यवस्थित किया जाएगा इससे नदी के पानी के बहाव को दिशा मिलेगी और बाढ़ एवं भूकटाव से भी निजात मिलेगी। –हिमांशु बागरी, डीएफओ तराई पूर्वी वन डिवीजन हल्द्वानी



है, जिसके बाद गौला नदी रावत नगर, इंदिरा नगर, चौड़ा घाट के आबादी क्षेत्रों के साथ ही जंगल में भी भूकटाव करती है। इससे वन, जन और धन हानि होती है। पूर्व में वर्ष 2018-19 में हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेश हुआ था, तब से नहीं हुआ है। इस वजह से गौला नदी

फिर से तबाही मचा सकती है, वहीं इस बार मानसून भी मजबूत है। आगामी मानसून को देखते हुए वन विभाग ने 4.50 करोड़ की लागत से चैनलाइजेशन का प्रस्ताव बनाया है जिसको मंजूरी मिल गई है। अब बजट मिलते ही चैनलाइजेशन का काम शुरू हो जाएगा।

फ्रिज में दौड़ा करंट, एक साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजपुरा में गुरुवार को दर्दनाक हादसे में एक वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, जवाहर नगर, टनकपुर रोड निवासी सुह्रान का एक साल का बेटा हस्सान घर के अंदर खेल रहा था। इसी दौरान खेलते-खेलते उसकी गैद फ्रिज के नीचे चली गई। बताया जा रहा है कि गैद निकालने के लिए जैसे ही बच्चे ने फ्रिज के नीचे हाथ डाला, उसे तेज करंट लग गया और वह वहीं अचेत होकर गिर पड़ा। बच्चे को फौरन परिजन बेस अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के

बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा। रिश्तेदार और आसपास के लोग परिवार को सांत्वना देते नजर आए। प्रारंभिक आशंका है कि फ्रिज में तकनीकी खराबी या अर्थिंग की समस्या के कारण करंट उतर आया था। पुलिस ने मामले की जानकारी लेने के बाद आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते हैं, जिसके लिए प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। बताया गया कि मृतक हस्सान परिवार का सबसे छोटा बेटा था और उसके दो बड़े भाई-बहन भी हैं।



ROHILKHAND
CANCER
INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक
कैंसर हॉस्पिटल
पिछले 5 साल से
आप के बीच में

कैंसर की
सम्पूर्ण
देखभाल
एक ही छत
के नीचे

बरेली का एकमात्र
PET CT

पूरे शरीर का
रंगीन सीटी,
कैंसर की स्टेज
जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल
ऑन्कोलॉजी

रेडिएशन
ऑन्कोलॉजी

डे केयर थेरेपी

इम्यूनोथेरेपी

कैंसर आईसीयू

फ्रोजन सेक्शन और
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

मैमोग्राफी

कैंसर के रोकथाम
की ओपीडी

इण्टरवेंशनल

रेडियोलॉजी



प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना
के अन्तर्गत पाँच लाख तक
का इलाज मुफ्त

Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com

रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज
एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुशे शर्मा नगर,
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली



वर्वीस स्कूल में हुए कार्यक्रम के दौरान लोग। ● अमृत विचार

वर्वीस स्कूल के स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

हल्द्वानी, अमृत विचार : वर्वीस सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के चारों सदनों के मध्य रेडो सॉन्ग विषय पर नृत्य प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने पुराने दौर के गीतों और संस्कृति को आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। प्रतियोगिता में कलिंगा सदन ने प्रथम, मगध सदन ने द्वितीय तथा पाटलिपुत्र सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंधक आरपी सिंह ने विद्यालय की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की अनेक प्रेरणादायक स्मृतियां साझा कीं। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका तनुजा पाठक और छात्राएं भूमिका आर्या (कक्षा 12 वाणिज्य वर्ग) एवं दिव्यांशी पोखरिया (कक्षा 11 विज्ञान वर्ग) ने किया। इस दौरान प्रबंधिका लिल्ली सिंह, प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह कार्की, स्नेहा कार्की, प्रधानाचार्य डॉ. बीबी पांडे, कविता बिष्ट रहे।

अभिभावकों पर मनमर्जी थोपने वाले 49 और प्राइवेट स्कूलों को नोटिस

कुल 99 स्कूलों को भेजे गए हैं नोटिस, अभिभावकों से महंगी किताबें खरीदवाने का आरोप



- अब तक 99 स्कूलों को भेजा जा चुका है नोटिस
- सभी विद्यालयों को 15 दिन के अंदर देना है जबाब

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले के निजी विद्यालयों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों और जांच आख्या के आधार पर कार्यवाही करते हुए 49 और निजी विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अब जिले में इन स्कूलों की संख्या 99 पहुंच गई है। इनको 15 दिन के अंदर जबाब देना है।

जिला प्रशासन के अनुसार इससे पूर्व हल्द्वानी, लालकुआं, रामनगर, भवाली एवं भीमताल क्षेत्र के 50

एनएचआरसी की स्पेशल मॉनिटर ने किया निरीक्षण

हल्द्वानी : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की स्पेशल मॉनिटर पुनम मालाकोन्दिनाह ने हल्द्वानी तहसील क्षेत्र के तीन विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों के व्यवस्थाओं, शिक्षा की गुणवत्ता व सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने विद्यालयों के आधारभूत ढांचे पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सवाल पूछकर उनकी शैक्षिक गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल और शौचालय व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। एसडीएम प्रमोद कुमार, डीईओ पुष्कर टट्टा, कार्यक्रम अधिकारी अनुलेखा बिष्ट, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिल्पी और बोईओ तारा सिंह भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम

- भाला फेंक प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद
- नियमित अभ्यास से तकनीक और फिटनेस को निखार रहे खिलाड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आगामी 39वें राष्ट्रीय खेलों में हल्द्वानी के भाला फेंक में खिलाड़ी उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन की तैयारी में जुटे हुए हैं।

खेल विभाग की ओर से गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में विशेष प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षक महेश सिंह फर्न्याल की देखरेख में खिलाड़ी रिया खरायत और दीपांशु यादव को तैयार किया



हल्द्वानी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम गौलापार में अभ्यास करते युवा और भाला फेंक खेलती रिया खरायत।

जा रहा है। दोनों खिलाड़ी सुबह और शाम नियमित अभ्यास करते हुए अपनी तकनीक और फिटनेस को निखार रहे हैं। इस बार भाला फेंक प्रतियोगिता में उत्तराखंड के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर राज्य

का नाम रोशन करेंगे।

प्रशिक्षक महेश सिंह फर्न्याल ने कहा कि रिया और दीपांशु दोनों खिलाड़ी लगातार मेहनत कर रहे हैं। उनकी तकनीक, स्टैमिना और श्रो में लगातार सुधार हो रहा है।



बोलीं क्रीड़ाधिकारी

हल्द्वानी में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाला फेंक में उत्तराखंड इस बार राष्ट्रीय खेलों में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। उन्होंने अन्य खिलाड़ियों से भी प्रेरणा लेने की अपील करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। - निर्मला पंत, जिलाक्रीड़ाधिकारी

के लिए भी प्रेरणास्रोत है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसे प्रशिक्षण शिविर लगातार चलते रहें तो उत्तराखंड से भविष्य में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकल सकते हैं।

राशन की कालाबाजारी के विरोध पर हमला

हल्द्वानी : बरेली रोड स्थित एक राइस मिल में सरकारी राशन की कथित कालाबाजारी का वीडियो बनाने और विरोध करने पर दो भाइयों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर देकर तीन लोगों पर हमला, धमकी और सरकारी राशन की हेराफेरी के आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांधीनगर लाइन नंबर-16 निवासी फैसल हुसैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 मई की शाम उसका छोटा भाई फैजान हुसैन सरस्वती राइस मिल पर आटा लेने गया था। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि युवकों ने स्कूटी की चाबी छीन ली और मोबाइल फोन कब्जे में लेने का प्रयास किया। फैसल के मुताबिक भाई ने फोन कर बताया कि राइस मिल में सरकारी गेहूं और चावल की कालाबाजारी हो रही है, जिसकी वीडियो उसके मोबाइल में है। फैसल मौके पर पहुंचा तो वहां जावेद कुरैशी, परवेज कुरैशी और सलमान कुरैशी उसके भाई के साथ मारपीट करते मिले। विरोध पर उस पर भी हमला कर दिया। जिससे फैसल के सिर, कंधे और पेट में गंभीर चोट आई। कोतवाल का विजय मेहता ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सैनिक परिवारों के सपनों को नई उड़ान देगा आकाश



आकाश इंस्टीट्यूट की जनरल मैनेजर पायल चावला, हेड पीआर एवं कम्युनिकेशन वरुण सोनी के साथ सैन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आकाश इंस्टीट्यूट ने भारतीय सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों एवं उनके परिवारों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग अभियान की घोषणा की। संस्थान ने बताया कि इस पहल के तहत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, शहीदों के परिजनों, वीरता पुरस्कार प्राप्त जवानों तथा दिव्यांग सैन्यकर्मियों के परिवारों को निःशुल्क कोचिंग, छात्रवृत्ति, करियर काउंसलिंग और शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए हल्द्वानी और रुद्रपुर सेंटर के निदेशक भरत गोयल ने कहा कि देश की सुरक्षा में अपना जीवन

समर्पित करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट करना समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यह अभियान सैनिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर प्रदान करेगा।

वहीं निदेशक हिमांशु सिंघल ने कहा कि आकाश इंस्टीट्यूट शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का माध्यम मानता है और सैनिक परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान निरंतर कार्य करता रहेगा।

इस अवसर पर जनरल मैनेजर पायल चावला, हेड पीआर एवं कम्युनिकेशन वरुण सोनी तथा विभिन्न अर्द्धसैनिक बलों के कई अधिकारी मौजूद रहे।

अनीता चार्टर अध्यक्षा सुमन उपाध्यक्ष नियुक्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लायंस क्लब इंटरनेशनल की इकाई लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी का चार्टर डे समारोह गुरुवार को

आरटीओ रोड स्थित रिया पैलेस में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्ड्री, सचिव निशुल अग्रवाल व कोषाध्यक्ष राखी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में लायंस परिवारों व बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

लकी डॉ. मोबाइल गेम, हाउजी, कपल गेम व बच्चों की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को



अनीता अग्रवाल, सुमन जैन और राखी अग्रवाल।

सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'गुब्बारा बचाओ कपल गेम' रहा, जिसमें कई दंपतियों ने भाग लिया। संचालन गोल्ड्री एवं नृत्यांगना अंसील वर्मा ने किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से फर्स्ट लायन लेडी अनीता अग्रवाल को चार्टर अध्यक्ष, सुमन जैन को उपाध्यक्ष तथा राखी अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के अंत में नर्मदा देवी के निधन पर शोक जताया।

एशियन बॉक्सिंग में खुशी चंद ने पक्का किया पदक

हल्द्वानी : उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में चल रही एशियन बॉक्सिंग अंडर-15 एवं जूनियर चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पिथौरागढ़ की खुशी चंद ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोरिया के खिलाड़ी को हराकर पदक पक्का कर लिया है।

खुशी चंद की इस जीत के साथ ही वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं और अब उनके पास स्वर्ण पदक की ओर कदम बढ़ाने का अवसर है। इससे पहले हल्द्वानी के हर्षवर्धन जीना और पिथौरागढ़ के समीर बोरा भी सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुके हैं। भारतीय टीम के कुल तीन पदक सुनिश्चित हो चुके हैं। उत्तराखंड बॉक्सिंग संघ के महासचिव गोपाल खोलिया ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

भर्ती में आरक्षण विसंगति का आरोप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भीम आर्मी की नैनीताल इकाई ने गुरुवार को नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा और उत्तराखंड होमगार्ड भर्ती में आरक्षण संबंधी गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया कि होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय ने 28 अप्रैल को जारी 920 पदों की भर्ती विज्ञप्ति में अनुसूचित जाति एवं महिला आरक्षण के संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी की है।

भीम आर्मी पदाधिकारियों के अनुसार अनुसूचित जाति वर्ग को केवल 48 पद दिए गए हैं, जबकि 19 प्रतिशत आरक्षण के अनुसार लगभग 175 पद मिलने चाहिए थे। कई जनपदों में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए एक भी पद निर्धारित



आरक्षण विसंगतियों का आरोप लगाते हुए नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय में मौजूद लोग।

नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए गए। वहीं महिलाओं के लिए केवल 15 पद आरक्षित किए जाने को भी अन्यायपूर्ण बताते हुए महिला आरक्षण को सभी वर्गों में क्षैतिज रूप से लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में भर्ती प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच, आरक्षण रोस्टर सार्वजनिक करने, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी विसंगतियों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु स्पष्ट दिशा-

निर्देश जारी करने की मांग उठाई गई। संगठन ने चेतावनी दी कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में नफीस अहमद खान, दीपक चनियाल, शंकर लाल, आरपी गंगोला, पीआर टट्टा, बीएल आर्य, महेश चंद्र आर्य, जीतराम, हल्द्वानी, कालाढूंगी सहित विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ी शामिल हैं।

राज्य कराटे चैम्पियनशिप के लिए नैनीताल टीम रवाना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : देहरादून के आमवाला स्थित बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन में 8 मई से 10 मई तक होने वाले 23वीं राज्य स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप के लिए नैनीताल जिले की टीम रवाना हो गई है। प्रतियोगिता में जिले के 62 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे, जिनमें मुक्तेश्वर, हल्द्वानी, कालाढूंगी सहित विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ी शामिल हैं।

कोच विरेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। सभी खिलाड़ी बेहतर

प्रदर्शन के लिए पूरी तैयारी के साथ रवाना हुए हैं। कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सिंह किरौला ने कहा कि नैनीताल की टीम लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है और इस बार भी खिलाड़ियों से अच्छे परिणाम की उम्मीद है। वहीं एसोसिएशन के सचिव राजेन्द्र सिंह क्यौरा ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 4 जून से 9 जून तक देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। टीम की कोच साक्षी जोशी और विनीता जोशी, टीम मैनेजर आशा बिष्ट एवं नीरजा बोरा के साथ देवेन्द्र सिंह बिष्ट और अभिषेक आदि हैं।

सिटी बीफ

भव्या का जवाहर

नवोदय के लिए चयन

कालाढूंगी : नगर के मदर्स होम स्कूल की छात्रा भव्या गोस्वामी का जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयन हुआ है । प्रबंधक विरेन्द्र रौतेला ने बताया कि यह भव्या की कड़ी मेहनत व शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है । प्रधानाचार्यां शशि रौतेला, राधिका रौतेला, प्रविता गुणवत, सपना गोस्वामी, शालिनी बिष्ट, पूजा, कमला बिष्ट, वर्षा सती, किरण चंद, ममता मेहता, कविता बोरा, किरण जोशी, मेहा बिष्ट, हेमा जोशी, रेखा सती, रेनु मेहरा, अर्पणा बिष्ट, तारा भट्ट, सपना बिष्ट, जयश्री, भावना रावत, पुनम पांडे, गीता गोस्वामी, पूरन जोशी, पुष्कर अधिकारी, महेश तिवारी, प्रीति अरोड़ा, दीवान बिष्ट, उमेश पांडे ने बधाई दी है ।



बुलेट शोरूम के पास पैरापिट बनवाने की मांग

भीमताल : रानीबाग में बुलेट शोरूम के समीप नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले माह काईड स्कूल मार्ग से आ रही एक कार ब्रेक न लगने के कारण पैरापिट से टकराकर नीचे सड़क पर गिर गई थी । टक्कर से पैरापिट भी पूरी तरह टूटकर नीचे गिर गया था । सामाजिक कार्यकर्ता दीपक नीगाई ने बताया कि पैरापिट न होने से अब यह जगह खतरे की जद में आ गई है । इस स्थान पर सड़क काफी संकरी है तथा आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है । पैरापिट न होने से यदि कोई वाहन सड़क के किनारे की ओर आए तो जरा सी चुक भी हादसे का कारण बन सकती है और वाहन नीचे गिर सकता है । उन्होंने कहा कि इस स्थान पर शीघ्र पैरापिट लगाए जाने की आवश्यकता है ।

डॉ. यशपाल को मिली प्रतिष्ठित फेलोशिप

धानाचूली : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत कार्यरत भारतीय पशु विज्ञान अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. यशपाल सिंह मलिक को विज्ञान एवं वन हेतु के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित नेशनल एफ़ेडमी ऑफ़ मैडिकल साइंसेज (इंडिया) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है । डॉ. मलिक को यह सम्मान मानव, पशु एवं पर्यावरण स्वास्थ्य के समन्वित दृष्टिकोण वन हेतु के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान, वैज्ञानिक नेतृत्व और जनस्वास्थ्य के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया । उन्होंने बहु-संश्लेषित आईसीएमआर सहयोगी परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । ज्योनेटिक रोगजनकों, विशेषकर रेटाइनोपारस, पर उनका शोध जनस्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है ।

रोबो इलेवन पिथौरागढ़ ने जीता फाइनल

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार : कॉबेट ग्राउंड पूरनपुर चकलुवा में आयोजित देवभूमि प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रोबो इलेवन पिथौरागढ़ ने विनिंग एज नैनीताल को चार विकेट से हराकर टॉफी पर कब्जा किया ।फाइनल मुकाबले में विनिंग एज नैनीताल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और 19.4 ओवर में मात्र 79 रन पर ऑल आउट हो गई ।

टीम की ओर से हेमंत दानू ने 20 गेंदों में 20 रन बनाकर सर्वाधिक योगदान दिया। रोबो इलेवन पिथौरागढ़ की ओर से प्रदीप कार्की ने 2.4 ओवर में 4 विकेट लिए, जबकि राहुल चंद्रा और विशाल सिंह ने 2-2 विकेट चटकाए । 80 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोबो

नैनीताल में सुबह और शाम हुई हल्की बारिश, ठंड वापस लौटी

शुक्रवार से मौसम में सुधार आने की संभावना, लोगों ने गरम कपड़े निकाले

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : रोहरा नगरी में गुरुवार सुबह और शाम को पानी बरसा है । पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के चलते नगर में ठंड पड़ने लगी है । मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से मौसम में सुधार आ जाएगा। सुबह से घने बादल डेरा डाले हुए थे। पूर्वान्ह 11.30 बजे हल्की बारिश शुरू हो गई, जो घंटेभर जारी रही । इसके बाद वर्षा तो थम गई लेकिन बादलों ने छंटने का नाम नहीं लिया। सांय पांच बजे पुनः हल्की बारी शुरू हो गई, जो आधा घंटे बाद रुक गई । इसके बाद थोड़ा देर के लिए धूप के दर्शन तो हुए, लेकिन बादल पुनः घिर आए । जिस कारण बारिश की संभावना बनी हुई है। पिछले कई दिन से हो रही बारिश के चलते ठंड लौट आई है । लोग गर्म ऊनी कपड़ों और हीटर के सहारे ठंड से राहत पा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण मौसम में बदलाव आया



नैनीताल में गुरुवार को गर्म ऊनी कपड़ों में लिपटे सेलानी । ● अमृत विचार

हल्द्वानी में मई माह में मौसम हो गया सुहाना, गर्मी का असर हुआ कम

हल्द्वानी : मई के पहले सप्ताह के अंत के साथ ही गर्मी का असर कम ही रहा । गुरुवार को दोपहर के समय हल्की बूंदबांदी हुई । मौसम भी अपेक्षाकृत काफी ठंडा रहा । सुबह से ही हल्द्वानी में बादल छाए थे । बीच-बीच में हल्की बूंदबांदी होती रही । पूरे दिन ऐसा महसूस हुआ कि जुलाई-अगस्त के मानसून वाला मौसम आ गया है । बादल छाए रहे और नम हवा चलती रही । इन दिनों सामान्य तौर पर लू के थपेड़े चलते हैं और प्रचंड गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ता है । अब हाल यह है कि सुबह के समय लोगों को घरों में पंखे तक बंद करने पड़ रहे हैं । अधिकतम तापमान 28 .3 डिग्री रहा जो सामान्य से 8 .2 डिग्री कम है और न्यूनतम तापमान 18 .4 डिग्री रहा । इधर मुक्तेश्वर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है । अधिकतम तापमान 14 .6 डिग्री रहा जो सामान्य से 9 .1 डिग्री कम है और न्यूनतम तापमान 8 .5 डिग्री रहा । मुक्तेश्वर में सामान्य तौर पर इन दिनों पारा 28 से 30 डिग्री तक रहता है । अनुमान है कि बारिश अभी नहीं थमेगी । मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार 11 मई से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जिसका असर 15 मई तक देखने को मिल सकता है । एक बार फिर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है । नैनीताल जिले में मई के मौसम में अभी तक औसतन 73 .3 मिमी बारिश हो चुकी है जो सामान्य बारिश से करीब छह गुना अधिक है ।

है, जो शुक्रवार को छंट जाएगा और मौसम में सुधार आ जाएगा ।

जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 23

व न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया ।

संदिग्ध हालात में कार में मृत मिला टैक्सी चालक

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार : नगर के रेलवे स्टेशन की कार पार्किंग में खड़ी कार के अंदर टैक्सी चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला । पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए । घटना स्थल पर सिविल पुलिस के साथ-साथ रेलवे पुलिस और जीआरपी के अधिकारी भी मौजूद रहे ।

जानकारी के अनुसार, लालकुआं रेलवे स्टेशन के पार्किंग स्थल पर खड़ी कार संख्या यूके 02 टीए-3059 में टैक्सी चालक अचेत अवस्था में लेटा दिखाई दिया, जिसकी सूचना पार्किंग के ठेकेदार एवं भाजपा नेता विनोद श्रीवास्तव ने जीआरपी एवं पुलिस प्रशासन को दी । इसके बाद मौके पर पहुंचे

पुलिस अधिकारियों ने मृतक की शिनाख्त टैक्सी चालक मदन राम (42), निवासी ग्राम आरे बागेश्वर, जिला बागेश्वर के रूप में की। बताया गया है कि मृतक की दो पुत्रियां और एक पुत्र रहे । वह हाल में दमुवाढूंगा, हल्द्वानी का निवासी था । मौके पर कोतवाली लालकुआं के प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा, जीआरपी काउंगोदाम के प्रभारी निरीक्षक कमल सिंह कोरांग तथा आरपीएफ के उप निरीक्षक रणवीर सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे । पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई । इसके बाद 108 सेवा की मदद से शव को पोस्टमार्टम एवं मृत्यु की पुष्टि के लिए डॉ. सुशीला तिवारी चिकित्सालय, हल्द्वानी भेज दिया गया है ।

कांग्रेसियों ने जनपदभर में किया पुतला दहन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: चंपावत में नाबालिग किशोरों के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर लोगों में जबरदस्त आक्रोश है । घटना को लेकर जनपद के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेसियों ने सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया । हल्द्वानी में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पार्क स्थित तिकोनिया चौराहे पर प्रदेश सरकार का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया ।

जिलाध्यक्ष सुमित कुमार ने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है जो प्रदेश सरकार के कार्यकाल में हुई हो । इससे पहले भी अंकिता भंडारी जैसे कई गंभीर मामले सामने आ चुके हैं । उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है । यहां प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत साहू, प्रदेश महासचिव दिग्विजय सिंह चौहान, स्वाति जोशी, भानु



हल्द्वानी में गुरुवार को चंपावत प्रकरण को लेकर बुद्ध पार्क में पुतला दहन करते युवा कांग्रेसी ● अमृत विचार

कबडवाल, प्रीति आर्य, जिला महासचिव मनदीप गुजराल और अमन कुरैशी, उमेश जोशी, कमल बोरा, मेहुल शाह, अक्षत पाठक, मयंक गोस्वामी रहे । उधर नैनीताल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मल्लीताल स्थित पंत पार्क में प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर पुतला दहन किया । जिसमें कांग्रेस नगर अध्यक्ष सचिन नेगी, नगर पालिका अध्यक्ष सरस्वती खेतवाल, सभासद

चालक को झपकी आने से खाई की ओर लटक की कार

नैनीताल: हल्द्वानी से नैनीताल आ रही कार गुरुवार को हनुमानगढ़ी क्षेत्र में पैराफिट से टकराकर खाई की ओर लटक गई । हालांकि इस हादसे में कार सवार दोनों लोगों की जान बच गई । बताया जा रहा है कि चालक को नींद की झपकी आने से यह हादसा हुआ ।

जानकारी के अनुसार हल्द्वानी निवासी आशीष अग्रवाल और लखनऊ निवासी रवि कश्यप अपनी कार से किसी काम से नैनीताल आ रहे थे । हनुमानगढ़ी क्षेत्र में चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर गलत साइड में चला गया । इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप के चालक ने सतर्कता दिखाते हुए समय रहते स्टेयरिंग मोड़ लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया । हालांकि कार का एक हिस्सा पिकअप से टकरा गया ।

इसके बाद कार पैराफिट से जा टकराई और खाई की ओर लटक गई । राहगीरों और पिकअप चालक की मदद से दोनों को कार से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया । डॉ. कोमल ने बताया कि दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई ।

महिला समूहों के उत्पादों को बढ़ावा दें होटलियर्स : पांडे



महिला समूह के उत्पादों का निरीक्षण करते मुख्य विकास अधिकारी । ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित बायर-सेलर मीट सम्मेलन में सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने कहा कि यह कार्यक्रम वोकल फॉर लोकल की भावना को मजबूत करता है । उन्होंने होटल व्यवसायियों से अपील की कि वे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को देश-प्रदेश से आने वाले पर्यटकों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके । कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीओ पांडे, सहायक परियोजना निदेशक चंद्रा फर्न्याल, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष हरि मान एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया । एक रिसॉर्ट में

आयोजित मेले में रामनगर, हल्द्वानी, भीमताल, धारी और कोटाबाग के स्वयं सहायता समूहों ने 12 स्टॉल लगाए । इनमें ऐप्पण, जूट बैग, पिछौड़ा, शहद, मसाले, ऑर्गेनिक दालें, मल्टीग्रेन आटा, अचार, जैम, ब्लैक पॉटरी और हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया गया । सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों और होटल व्यवसायियों ने भाग लिया । एसडीएम गोपाल सिंह चौहान, होटल एसोसिएशन के पुनीत सचदेवा, कुलदीप सिंह, पुनीत अग्रवाल, अमू कोंडपाल, विशाल डंगवाल, दीपक खर्कवाल, राजीव शाह, सुन्दर बिष्ट, बीडीओ हर्षित गर्ग, गिरिश पांडे, तनवीर असगर, डॉ. श्वेता, नवीन सती, मिथिलेश डंगवाल, संजय डबरावाल, भूपेंद्र जीना, किरण जोशी, भावना मेहरा, प्रियंका आदि रहे ।

बार चुनाव: पहले दिन 14 नामांकन पत्र बिके

रामनगर: रामनगर बार एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर गहमागहमी शुरू हो चुकी है । पहले दिन कुल 14 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है । मुख्य चुनाव अधिकारी पीएस बोहरा एवं सहायक चुनाव अधिकारी सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को अध्यक्ष पद पर 2, उपाध्यक्ष पद पर 2 (एक महिला एवं एक पुरुष) नामांकन पत्र खरीदे गए । इसी प्रकार सचिव, उपसचिव, उपसचिव प्रेस, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं ऑडिटर पद पर 1-1 नामांकन पत्र की बिक्री हुई, जबकि कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए कुल 4 नामांकन पत्र खरीदे गए । इस तरह कुल 14 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई । उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की बिक्री शुक्रवार को शाम 4 बजे तक जारी रहेगी । कहा कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकताओं ने सहयोग का भरोसा दिलाया है ।

कालाढूंगी से बीजेपी के पांडे ने पेश की दावेदारी

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार : आगामी विधान सभा चुनाव में पार्टी के टिकट के लिए कालाढूंगी विधान सभा सीट के लिए कई नेता अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं । वहीं भाजप नेता तारा चंद्र पांडे ने आगामी विधान सभा चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर सियासी हलचल मचा दी है । गुरुवार को नगर पंचायत सभागार में भाजपा नेता तारा चंद्र पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपनी दावेदारी मजबूती से पेश की । पांडे ने कहा में 1983 से स्वयंसेवक हूं। मुझे कार्यकर्ताओं का दबाव है कि मुझे विधायक बन जनता की सेवा करनी चाहिए। भाजपा में पं दीनदयाल उपाध्याय



प्रेस कॉन्फ्रेंस करते भाजपा नेता ताराचंद्र ।

के सिद्धांतों पर अंतिम व्यक्ति को भी टिकट देती है । पांडे ने कहा दावेदार बहुत होंगे मगर मेरी दावेदार सबसे मजबूत है। पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी, शिवराज चौहान व लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में मैंने दिन-रात संघ में सेवा दी है । शिक्षा, स्वास्थ्य व सड़कें मेरी प्राथमिकता रहेगी । इस दौरान बुजेश साह, दीवान बिष्ट, कैलाश बुढलाकोटी, मोहन खोलिया रहे ।

भाजपा कार्यकर्ता विस चुनावों के लिए अभी से रहें तैयार: विधायक

● भाजपा विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने ती कार्यकर्ताओं की बैठक

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: भाजपा ग्रामीण मंडल की बैठक विधायक कार्यालय में विधायक दीवान सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में संगठन के भावी कार्यक्रम और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को गतिमान बनाने तथा बूथ स्तर तक बैठकें करने का निर्णय लिया गया । ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर भी चर्चा हुई ।

विधायक बिष्ट ने कहा कि भले ही जनता का समर्थन और विश्वास पार्टी के साथ है, लेकिन फिर भी प्रत्येक कार्यकर्ता को हर



कार्यकर्ताओं की बैठक लेते विधायक दीवान सिंह बिष्ट । ● अमृत विचार

बूथ स्तर पर जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहना होगा । उन्होंने बंगाल सहित तीन राज्यों में भाजपा सरकार बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं को बधाई दी । इस दौरान बैठक में भाजपा

जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, भाजपा नेता सत्यप्रकाश शर्मा, महामंत्री दीप राणा, कृपाल जोशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपा पांडे, किसान मोर्चा अध्यक्ष नंदन बोरा, सौरभ कुमार मौजूद रहे ।



दण्डी स्वामी शंकर महाराज को अंगवस्त्र भेंट करते मंदिर कमेटी के पदाधिकारी ।

नवनिर्मित भवन का दण्डी महाराज ने किया लोकार्पण

कालाढूंगी, अमृत विचार : नगर के प्राचीन शिव मंदिर 25 लाख की धनराशि से निर्मित धर्मशाला व नव निर्मित भवन का लोकार्पण दण्डी स्वामी शंकर महाराज ने किया । शिव मंदिर पहुंचने पर कमेटी के सदस्यों ने स्वामी शंकर महाराज को भगवा चोला ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया । प्राचीन शिव मंदिर में हंसा सती ने अपने स्वर्गीय पित्र त्रिभुवन सती के स्मृति में श्रद्धालुआ की सुविधा के लिए धर्मशाला व नये भवन का निर्माण कराया है । इस जिसका लोकार्पण गुरुवार को हुआ इस मौके पर विशेष पूजा व हवन यज्ञ के बाद आरती की गई । समिति के अध्यक्ष दीप चंद्र सती ने कहा धर्मशाला केवल एक विश्राम स्थल नहीं है बल्कि सेवा व परोपकार को केन्द्र है । शादी समारोह व योहारों में अब बरसात के समय लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा । इस दौरान विश्वमोहन सती, गोपाल बुढलाकोटी, पूरन खोलिया, बुजेश साह, आन गेडा, कमल सती, जितेन्द्र सती, किशन बण, नवीन सती, राकेश गोयल, रमेश गिरी, ननंद गुरु मंदिर समिति के सदस्यों व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही ।

आयोजन 05 यूके नेवल सब यूनिट एनसीसी की ओर से द हर्मिटेज में ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जागरूकता एवं स्मृति कार्यक्रम आयोजित

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर कैडेट्स में दिखा देशभक्ति का जज्बा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में 05 यूके नेवल सब यूनिट एनसीसी द्वारा द हर्मिटेज में ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जागरूकता एवं स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स और आईटीईपी विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं । पूरे आयोजन के दौरान देशसेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नैनीताल ग्रुप एनसीसी के ग्रुप



ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स व एनसीसी के अधिकारी ।

कमांडर कमोडोर रिची रंजन रहे । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सशस्त्र बल आज केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक शांति, मानवीय सहायता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर स्तर पर सक्षम और पूरी तरह तैयार है । उन्होंने कहा कि ऐसे

सशस्त्र बलों की रणनीतिक क्षमता, साहस और समन्वित कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण बताया । कमोडोर रंजन ने कहा कि इस अभियान ने यह साबित किया कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर स्तर पर सक्षम और पूरी तरह तैयार है । उन्होंने कहा कि ऐसे

अभियानों से दुश्मनों को स्पष्ट संदेश मिलता है, वहीं देशवासियों में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी मजबूत होती है । उन्होंने युवाओं से कहा कि अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति को जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है । नेवल सब यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन

ने किया । कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक अरविंद, विक्रांत और दीपक के अलावा कैडेट साकेत, प्राकम्य, आरोही, दिव्या, जाह्नवी, मानवी, हर्षिता, गौरव सिजवाली, सिद्धार्थ और अंकित सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहे । इधर, डीएसबी परिसर में ही 79 बटालियन आर्मी एनसीसी द्वारा भी ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई । प्रो. आशीष मेहता ने ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष प्रस्तुति दी । उन्होंने वीडियो और चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर उन्हें सफलतापूर्वक ध्वस्त किया ।

सिटी ब्रीफ

दस लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

रुद्रपुर : आबकारी आयुक्त के निर्देश पर आबकारी विभाग की टीम ने विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने ग्राम छतरपुर डेरा के समीप रोड के किनारे एक घर में दबिश दी। दबिश के दौरान घर से करीब करीब 10 लीटर अवैध कच्ची शराब की कैन बरामद की गयीं की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गुरुवार को आबकारी विभाग के निरीक्षक सोनू सिंह के नेतृत्व में टीम ने ग्राम छतरपुर डेरा पहुंची। यहां उन्होंने एक घर में दबिश दी तो वहां मौजूद एक व्यक्ति सकपकाने लगा। वहीं टीम ने तलाशी ली तो घर में 10 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़ी गयी। वहीं एक को गिरफ्तार किया। पुछताछ उसने अपना नाम हरपाल सिंह बताया। बाद में अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया है।

चीनी मिल कर्मों की बीमारी के कारण मौत
जसपुर : नादेही चीनी मिल कर्मों की बीमारी के कारण मौत हो गई। कर्मों की मौत से मिल में शोक व्याप्त हो गया। यूपी के जिला बिजनौर स्थित ग्राम आलमपुर गांवड़ी निवासी गोविंद सिंह चीनी मिल नादेही में कार्यरत थे। उनका कुछ दिनों से इलाज चल रहा था। बताते हैं कि गुरुवार की सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें लेकर काशीपुर पहुंचे। इस दौरान उनकी मौत हो गई। जीएम सीएस इमलाल ने गोविंद सिंह की मौत पर शोक व्यक्त किया। मनोज गुप्ता, शेखर, मनोज चौहान, भूप सिंह, मनीष मधुर, दुर्गाश यादव समेत साथी मिल कर्मियों ने मृतक के गांव जाकर श्रद्धांजलि दी।

अमृत विचार

पलासीफाईड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9532374039 8077909468

सूचना
मेरे पुत्र नंबर 4204694L लांस नायक हरीश चंद्र पोखरिया के सैन्य अभिलेखों में मेरा नाम एवं जन्मतिथि भूलवश शांति पोखरिया एवं 03.05.1954 दर्ज हो गया है, जिसे सुधारकर क्रमशः शांति पोखरिया एवं 01.01.1956 कर दिया जाए।

सूचना
शैक्षिक अभिलेखों व आधार कार्ड में मेरा नाम नमिता बोरा सही दर्ज हैं। मैं पैन कार्ड में भी अपना नाम नमिता बोरा (NAMITA BORA) दर्ज करना चाहती हूं। भविष्य में मुझे नमिता बोरा पुत्री मोहन सिंह बोरा निवासी-बिगराबाग, खटीमा, उधम सिंह नगर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना
मेरे पुत्र नंबर 4204694ल लांस नायक हरीश चंद्र पोखरिया के सैन्य अभिलेखों में मेरा नाम एवं जन्मतिथि भूलवश पान देव पोखरिया एवं 01.02.1952 दर्ज हो गया है, जिसे सुधारकर क्रमशः पान देव और 01.01.1957 कर दिया जाए।

NOTICE
We hereby declare that Mr. Aadesh Kumar S/o Gulshan Kumar is the present owner of the following property and have clean and clear title on the mentioned property : commercial plot bearing khasra no. 222 min area 200 sq ft or 18.58 sq mt mauja maheshpura tehsil kashipur district udham singh nagar uttarakhand Original Sale Deed, bearing Book No. 01, Volume No. 7651, Page Nos. 395 to 420, Serial No. 6450 in the Office of the Sub-Registrar, Kashipur on 08/08/2023. Further, we intend to create a charge viz. equitable mortgage on the above-mentioned original title deeds in State Bank of India, SME Branch, Kashipur. The original title deed appearing in chain of title, as mentioned below, has been lost during transit to the best of our knowledge and are not traceable despite several efforts. 1. Original Sale Deed executed by M/s Konika Construction through its director Mr Ram Kishan Malhotra s/o late shri Kameshwarnath Malhotra in Favour of Faizan Khan S/o Khalilur Rahman which is duly registered in bearing Book No. 01, Volume No. 6594, Page Nos. 267 to 284, Serial No. 8075, in the Office of the Sub-Registrar, Kashipur on 25/10/2021.We hereby confirm that the above-mentioned lost original title deed is not mortgaged in any bank/financial institution, and the said property is free from any encumbrances. Further, an FIR has already been lodged on 18/04/2026 for the lost title deed of the same.

अमृत विचार

ऑक्सीजन नहीं मिलने से गर्भवती की मौत

प्रसव पीड़ा के बाद बिगड़ने लगे थे हालात, जिला अस्पताल में तीमारदारों का हंगामा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं इतनी बेहाल हो चुकी हैं और अब मरीज ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं ज्योति। (फाइल)
मिलने के कारण अपनी जिंदगी गंवा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां बुधवार की देर शाम प्रसव पीड़ा होने पर एक गर्भवती को भर्ती कराया गया था। समय पर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर मुहैया नहीं होने के कारण गर्भवती की मौत हो गई। गुस्साए तीमारदारों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा और दोषी स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाया। सूचना मिलने पर सिडकुल पुलिस और पूर्व विधायक के भाई भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। मृतक के पति ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। यहां बता दें कि सिंह कालीनी के रहने वाले सौरभ मिश्रा की 20 वर्षीय पत्नी ज्योति नौ माह की गर्भवती थी। बुधवार की रात्रि 11



घटना की जानकारी लेते पूर्व विधायक के भाई संजय ठुकराल।

बजे वह अपनी पत्नी को लेकर जिला अस्पताल स्थित डिलीवरी कक्ष लेकर गया। डेढ़ बजे महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव होने के बाद अचानक महिला को सांस लेने में तकलीफ होने लगी और तीमारदारों ने ऑक्सीजन देकर राहत देने का प्रयास किया। जब तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को सूचना दी तो पता चला कि अस्पताल में ऑक्सीजन सिलिंडर देने की कोई सुविधा नहीं थी।

यहां तक कि कोई भी डॉक्टर या फिर स्टाफ नर्स ने तकलीफ को गंभीरता से नहीं लिया, जबकि

प्रसव के बाद महिला की मौत का मामला सज्ञान में आया है। सूचना मिलने पर उपचार संचालित था। प्रसव होने के बाद अचानक महिला की सांस उखड़ने लगी थी। डॉक्टर के अनुसार उपचार और ऑक्सीजन भी दिया गया। तीन डॉक्टरों ने मरीज को बचाने की कोशिश की। कारण प्रसव पीड़ा के बाद कुछ स्थिति संभाली नहीं जा सकी है। बावजूद उच्चस्तरीय एक कमेटी बनाकर जांच किए जाने की रिपोर्ट भेजी जाएगी और महिला मौत प्रकरण की जांच भी होगी। जांच में कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

–डॉ. आरके सिन्हा, पीएमएस, जिला अस्पताल

तीमारदार रेफर करने की बात कहते रहे और सुबह पांच बजे मिश्रा का आरोप था कि पत्नी को स्वस्थ स्थिति में भर्ती कराया गया था, लेकिन बेहाल स्वास्थ्य सेवाएं और स्टाफ की लापरवाही ने पत्नी की जान ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मृतक के पति सौरभ मिश्रा का आरोप था कि पत्नी को स्वस्थ स्थिति में भर्ती कराया गया था, लेकिन बेहाल स्वास्थ्य सेवाएं और स्टाफ की लापरवाही ने पत्नी की जान ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीन मोटरसाइकिलें चोरी, जांच शुरू

बाजपुर: पिछले कुछ दिनों के भीतर अलग-अलग क्षेत्रों से तीन बाइकें चोरी होने के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

पहली घटना पिपलिया नैया पुल के पास हुई, जहां रामपुर निवासी साजिद की डीलक्स बाइक उसके मित्र के घर के बाहर से गायब हो गई। दूसरी घटना सुल्तानपुर पट्टी के गांधी नगर में घटी, जहां विक्की नामक युवक की स्प्रेंडर प्लस लॉक लगा होने के बावजूद घर के बाहर से चोरी कर ली गई। वहीं, तीसरी घटना में शादी समारोह में आए रामपुर निवासी भोलेराम की बाइक मात्र एक घंटे के भीतर चोरी हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

त्रिशूल चौक से आवास-विकास तक सड़क चौड़ीकरण में लाएं तेजी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने विधानसभा रुद्रपुर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गयी घोषणाओं की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सीएम घोषणा कार्यों में तेजी लाते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने त्रिशूल चौक से आवास विकास तक सड़क चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाकर शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अभियंता लोनिवि को दिए।

गुरुवार को जिला सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता जल संस्थान व विद्युत को डीडी चौक से काशीपुर बाइपास व डीडी चौक से मेडिकल कालेज तक विद्युत व पानी की लाइनों को शीघ्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों में यदि किसी के द्वारा भी लापरवाही बरती गयी तो सख्त कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। उन्होंने कहा कि भूराजनी में सड़क चौड़ीकरण कार्यों के लिए लोनिवि, नगर निगम, राजस्व एवं जिला विकास प्राधिकरण संयुक्त रूप से सर्वे कर भविष्य में आबादी को



अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया।

- सीएम की घोषणा के कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश
- डीएम ने जिला सभागार में अधिकारियों के साथ की समीक्षा

ध्यान में रखते हुए डीपीआर तैयार कर भेजा जाए। विधायक शिव अरोरा व महापौर विकास शर्मा ने क्षेत्र में जो भी सड़क निर्माण कार्य चल रहे हैं उसे वर्षाकाल से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं। अनावश्यक गड्ढा खोद कर न छोड़ा जाये जिससे की लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण व पानी की पाइप लाइन शिफ्टिंग के लिए उतना ही गड्ढा खोदे जो वर्षाकाल से पूर्व पूर्ण हो सके। विधायक ने शहर को जाम

से निजात दिलाने के लिए सिंचाई विभाग की भूमि पर पार्किंग निर्माण के लिए जिला विकास प्राधिकरण को प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में निर्माण कार्य संभव नहीं हो पाता है, इसलिए जो भी कार्य किये जाने हैं उसे वर्षाकाल से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए।

बैठक में उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, पीडी हिमांशु जोशी, अधिशासी अभियंता जल संस्थान तरुण शर्मा, पेयजल निगम सुनील जोशी, विद्युत राजीव चक्रवर्ती, लोनिवि विनोद सनवाल, अचल ज़िंदल आदि मौजूद रहे।

फाइनैस कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : शहर में एक फाइनैस कंपनी द्वारा अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। खेड़ा बस्ती निवासी व्यापारी इरफान अली ने दो साल पहले चोलामंडलम फाइनैस से एक कार ली थी। बेटे की स्पाइनल कॉर्ड की बीमारी और उपचार में 15 लाख रुपये खर्च होने के कारण उनकी दो ईएमआई बाउंस हो गई। आरोप है कि 3 मई को हरिद्वार में परिजनों को कार से जबरन नीचे उतारकर कंपनी कर्मियों ने वाहन छीन लिया। इस घटना के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस नेता संजय जुनेजा और मोहन खेड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कंपनी कार्यालय में जमकर हंगामा काटा और धरने पर बैठ गए। कांग्रेस नेताओं का कहना



फाइनैस कार्यालय में धरना देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

है कि गंभीर बीमारी के दौर में ग्राहक के साथ ऐसी गुंडई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले के तूल पकड़ने पर रीजनल मैनेजर शिवराज बिज ने फोन पर वार्ता की और शुक्रवार को बैठक कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस घटना ने रिकवरी एजेंटों की कार्यप्रणाली पर

गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस मौके पर पार्शद सौरभ राज बेहड़, पार्शद परवेज कुरैशी, मोनिका ढाली, मोहम्मद अशफाक अंसारी, रणजीत सिंह राणा, अनंत बिश्नोई, मारुफ, रेहान, ताहिर, हैरी पन्नू, समप्रीत ग्रोवर, गौरव कुमार, गोविंद सिंह, सूरज सिंह आदि मौजूद रहे।

खाटू श्याम मंदिर कमेटी मायके गई पत्नी, पति ने फांसी लगाकर जान दी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: श्री खाटू श्याम मंदिर गल्ला मंडी के ट्रस्टियों द्वारा नई कमेटी का निर्वाचन शांतिपूर्ण प्रदीप अग्रवाल।

और नवनिर्वाचित कमेटी के पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और जनसेवा का भी प्रमुख माध्यम है। नई टीम मंदिर से जुड़े धार्मिक आयोजनों, भंडारों, सेवा कार्यों एवं समाज हित के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाएगी। वहीं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया है।



प्रकाश अग्रवाल। प्रवीण गोयल।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके के शिमला पिस्तौर में एक व्यक्ति के सुसाइड किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि व्यक्ति की पत्नी बेटी को लेकर मायके चली गई थी, जबकि वह अपने बेटे के साथ रह रहा था। पिछले कई दिनों से मानसिक अवसाद से गुजर रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

6 मई की शाम को ग्राम प्रधान शिमला पिस्तौर ने बगवाड़ा चौकी पुलिस को एक व्यक्ति द्वारा सुसाइड किए जाने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौका मुआयना किया तो पता चला कि मूलरूप से वार्ड-17 ओलापुर गंगौर खगड़िया

बिहार व हाल निवासी किराएदार शिमला पिस्तौर निवासी 43 वर्षीय संजय चौधरी ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। जांच में पता चला कि पिछले कुछ दिनों से उसकी पत्नी अपनी बेटी को साथ लेकर अपने मायके चली गई थी। पारिवारिक कलह के कारण व्यक्ति अपने बेटे के साथ रह रहा था। रोजमर्रा की भांति बेटे को खाना खिलाया और खुद कमरे में सोने चला गया। थोड़ी देर बाद बेटे ने देखा कि पिता फंदे पर लटक हुआ है। चीख पुकार की आवाज सुनकर पड़ोसी घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। पुलिस ने घटना की जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

कार्रवाई महापौर ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया अतिक्रमण मुक्त हुई भूमि का निरीक्षण

अतिक्रमण मुक्त भूमि पर बनेंगे आवास व कॉलेज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा को मूर्त रूप देने के लिए महापौर विकास शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ खेड़ा में अतिक्रमण मुक्त कराई गई आठ एकड़ वेशकीमती भूमि का सर्वे कर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने निरीक्षण के दौरान कहा कि इस जमीन पर प्रस्तावित पर्यावरण मित्रों के लिए ऐ-शुल्क आवास और एक इंटर कॉलेज का निर्माण कराया जाएगा।

गुरुवार को महापौर विकास शर्मा, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय मौके पहुंचे और एक-एक बिंदु पर बारीकी से चर्चा



ईदगाह की भूमि का निरीक्षण कर जानकारी लेते महापौर विकास शर्मा।

की। इस दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि यह केवल एक भूमि का टुकड़ा नहीं है, बल्कि शहर के उन कर्मठ पर्यावरण मित्रों के सपनों के सच होने की जमीन है जिनके पास अपना घर नहीं है।

उन्होंने कहा कि रुद्रपुर नगर निगम उत्तराखंड का ऐसा पहला नगर निगम बनने जा रहा है, जो अपने पर्यावरण मित्रों

को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए स्वयं आवास बनाकर देगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में सरकार जो कहती है उसे धरातल पर उतारकर दिखाती है। इस पूरी योजना का विस्तृत प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है और जल्द ही मुख्यमंत्री स्वयं इस महत्वाकांक्षी

भूमि कब्जाने वालों के खिलाफ होगी एकआईआर

रुद्रपुर : अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने कहा कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीनों की सुरक्षा और उनके जनहितकारी उपयोग के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सर्वे का काम पूरा हो चुका है और अब जल्द ही इसका विधिवत प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने भू-माफियाओं को अगाह किया कि यदि कोई सरकारी भूमि कब्जाने का दुस्साहस करेगा तो उनके विरुद्ध एकआईआर दर्ज की जाएगी। प्रशासन ने विभिन्न एजेंसियों को सक्रिय कर दिया है।

परियोजना का शिलान्यास करने रुद्रपुर पहुंचेंगे। यहां एक इंटर कॉलेज भी स्थापित किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज़

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहा चहुंमुखी विकास

काशीपुर : वरिष्ठ भाजपा नेत्री मुक्ता सिंह ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री



पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। मुक्ता सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी जनता की भावनाओं और जन अपेक्षाओं को समझते हुए विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक वर्ग के हित में योजनाएं संचालित कर रही है।

रुक-रुककर हुई बारिश से तापमान में गिरावट

काशीपुर : गुरुवार सुबह आई बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। स्कूल जाने वाले बच्चों को सुबह के समय परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश दिन भर रही इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बुधवार की देर रात तेज अंधड़ के बाद बुधरपतिवार सुबह भी मौसम खराब रहा। सुबह से लेकर शाम तक काशीपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में रूक-रूक कर बारिश होती रही है। लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के कारण कई स्थानों पर हल्का जनभराव और फिजलन की स्थिति भी बनी। अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया।

बॉटेनिकल गार्डन का किया शैक्षिक भ्रमण

काशीपुर : सम्राट पृथ्वीराज चौहान गुप ऑफ इन्स्टीट्यूशंस, काशीपुर के विज्ञान विभाग द्वारा हिमालयन बॉटेनिकल गार्डन, नैनीताल में एक शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीएससी के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, वनस्पति विज्ञान एवं जीव विविधता के प्रति व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की औषधीय एवं दुर्लभ वनस्पतियों का अवलोकन किया तथा उनके वैज्ञानिक महत्व को समझा। विभाग के शिक्षकों ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण, पौधों की प्रजातियों तथा प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहां पर विभागाध्यक्ष अक्षिता भट्ट, असिस्टेंट प्रो. शमुन भटनगर, अभिषेक अग्रवाल, किरण बंसल, आमिर हमीद सिंह अलग अलग सदनस्य मौजूद रहे।

टोल प्लाजा का सिस्टम खराब होने पर जाम

जसपुर : काशीपुर-जसपुर फोरलेन के बीच जगतापुर पट्टी स्थित टोल प्लाजा के सिस्टम में तकनीकी खामी के कारण वाहनों की लंबी कतारें लगी रही हैं। वाहनों के लंबे जाम से लोग परेशान हैं। भाकियु युवा क्लॉक अध्यक्ष अमनवीर सिंह ने बताया कि सिस्टम के सही तरीके से काम न करने से रोजाना टोल प्लाजा पर वाहनों की दो किलोमीटर लंबी लाइनों लग रही हैं। खमरस्या को लेकर उन्होंने टोल प्रशासन को चेताया कि जल्द ही व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो टोल प्लाजा के बैरियर हटाकर लोगों के लिए फ्री कर दिया जाएगा। वहीं टोल प्रबंधक प्रवीण कुमार ने बताया कि सॉफ्टवेयर अपडेट होने के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है। कहा कि तीन चार दिन में इसका समाधान हो जाएगा।

हाईवे पर जानलेवा बने गहरे गड्ढे, लोग परेशान

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर छोई मोड़ स्थित माइनिंग चेक पोस्ट के समीप सड़क की हालत बंद से बदतर हो चुकी है। सड़क पर बने बड़े-बड़े और गहरे गड्ढे राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। सड़क की इस बदहाली के कारण यहाँ आए दिन वाहन फंस रहे हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, हाईवे पर भारी वाहनों और खनन से जुड़े ट्रकों का दबाव अधिक होने के कारण सड़क कई जगह से पूरी तरह टूट चुकी है। विशेषकर चेक पोस्ट के पास बने गहरे इतने गहरे हैं कि रात के समय बाइक और कार चालकों को इनका अंदाजा नहीं

मेले के बाद चैती मैदान में चारों तरफ फैली पड़ी हैं पॉलीथिन, दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने नहीं दिया कोई ध्यान

मेले से प्रशासन ने कमाए करोड़ों, सफाई के नाम पर दिखाया ठेंगा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: चैती मेले से करोड़ों की कमाई करने के बाद प्रशासन मेले मैदान में सफाई करना भूल गया है। हालात यह है कि चैती मेला परिसर पॉलीथिन से पटा पड़ा हुआ है। हवाओं के चलने से यह पॉलीथिन उड़कर इधर-उधर फैल रही है।

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैती मेला 19 मार्च से शुरू हुआ था। मेले की तैयारी के लिये प्रशासन ने खेल तमाशों समेत अन्य कार्यों के लिये करोड़ों में ठेका दिया। करीब एक माह तक चला मेला 24 अप्रैल को समाप्त हो गया। लेकिन मेले के बाद पूरा मैदान गंदगी से पट गया। जहाँ-तहाँ कई मात्रा में पॉलीथिन



काशीपुर में पॉलीथिन और गंदगी से पटा चैती मैदान। ● अमृत विचार

फैली हुई है। हालात यह है कि करीब दो सप्ताह का समय बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। बता दें कि मेले

के दौरान प्रशासन सफाई का ठेका निगम को देता है। निगम पूरा मेला परिसर की सफाई का काम करती है। हालांकि मेले के दौरान निगम

महापौर ने चलाया था एक दिन का अभियान

द्वारा नियमित सफाई की गई। लेकिन

बैन होने के बावजूद पॉलीथिन से पटा मैदान

काशीपुर : हर साल की तरह इस बार भी मेले में पॉलीथिन बैन करने वाले प्रशासन को मेले में जहां-तहां फैली पड़ी पॉलीथिन साफ करनी पड़ रही है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रशासन स्वच्छता के प्रति कितना गंभीर है। पर्यावरण को पॉलीथिन से गंभीर संकट मानने वाले प्रशासन को इसके दुष्परिणाम तो नजर आते हैं, लेकिन धरातल पर इसे रोकने के लिये अधिकारियों के पास कोई ठोस प्लान नहीं है। इसी का नतीजा है कि हर बार अधिकारी मेले में पॉलीथिन पर प्रतिबंध की बात तो कहते हैं लेकिन उसपर अमल नहीं कर पाते।

सफाई का ठेका निगम को दिया जाता है। मेला खत्म होने के बाद मेले में एक दिन सफाई अभियान चलाया गया था। शीघ्र ही दोबारा सफाई अभियान चलाया जाएगा।

मेला परिसर में सफाई का ठेका निगम का होता है। मेले में सफाई अभियान चलाया गया था। बीच-बीच में हो रही बारिश और अभी भी कुछ दुकानदारों की दुकान लगी होने से सफाई अभियान नहीं चलाया जा सका है। शीघ्र ही सफाई अभियान चलाया जाएगा।

-रविंद्र बिष्ट, एमएनए, नगर निगम, काशीपुर

काशीपुर : नगर निगम के महापौर दीपक बाली के आह्वान पर निगम कर्मचारियों और समाजसेवियों ने एक दिन के लिये चैती मेले में सफाई अभियान चलाया था। लेकिन मेला मैदान बहुत बड़ा होने के कारण पूर्ण रूप से सफाई नहीं हो सकी थी।

मेला खत्म होने के बाद निगम ने इस

ओर ध्यान नहीं दिया।

बिना पंजीकरण चल रहे 6 क्लीनिक कराए बंद

काशीपुर, बाजपुर और गदरपुर में क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग का छापा, दो को नोटिस जारी किए गए

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बिना पंजीकरण चल रहे क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग के छापे में काशीपुर, बाजपुर और गदरपुर में छह क्लीनिक बंद कराए गए हैं। जबकि दो को नोटिस जारी किये गये हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल के निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य विभाग ने जनहित और जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए बिना पंजीकरण के संचालित कई क्लीनिकों को बंद करा दिया। यह कार्रवाई डॉ. सुधीर गुप्ता के नेतृत्व में गठित स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा की गई। मौके पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त क्लीनिक क्लीनिकल एस्टेक्सिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकृत नहीं थे और बिना किसी वैध दस्तावेज के मरीजों का उपचार किया जा रहा था। टीम द्वारा जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उक्त क्लीनिकों को



एक क्लीनिक में छापा मारती स्वास्थ्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

बंद कराया गया।

टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि टीके मालाकार क्लीनिक गदरपुर, उजाला क्लीनिक काशीपुर, डॉ. अंकित कुमार क्लीनिक काशीपुर, बंगाली क्लीनिक काशीपुर, गुरुरानक डायग्नोस्टिक सेंटर बाजपुर, सेवा डेंटल क्लीनिक

बाजपुर व सिंह क्लीनिक बाजपुर को बंद कराया गया है। जबकि आस्था क्लिनिक काशीपुर व उत्तराखंड हॉस्पिटल गदरपुर को नोटिस जारी किये गये हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि कहा कि बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे सभी अवैध क्लीनिकों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।



खटीमा के छिन्की गांव में क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई को पहुंची टीम।

छिन्की में भी किया एक क्लीनिक को सील

खटीमा : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने टीम में कार्रवाई करते हुए छिन्की गांव में बिना पंजीकरण के चल रहे क्लीनिक को सील कर दिया। यह कार्रवाई डॉ.संजीव सरना के नेतृत्व में गठित स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा की गई। मौके पर निरीक्षण के दौरान क्लीनिक क्लीनिकल एस्टेक्सिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकृत नहीं पाया गया और बिना किसी वैध दस्तावेज के मरीजों का उपचार किया जा रहा था। कार्रवाई के समय केंद्र संचालक सचिन मजूमदार और दो महिला मरीज मौके पर उपस्थित मिले। टीम ने क्लीनिक से मिली दवाओं, उपकरणों और रिकॉर्डों को जब्त करते हुए क्लीनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं केंद्र संचालक मजूमदार के खिलाफ संबंधित अधिनियमों के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है। सीएमओ डॉ अग्रवाल ने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बिना पंजीकरण के चल रहे क्लीनिक आम जनता के स्वास्थ्य के लिए खतरा हैं।

न्याय व्यवस्था कायम रखना प्राथमिकता

काशीपुर: नवनियुक्त पुलिस



(सीओ) के रूप में प्रशांत कुमार ने गुरुवार को मोडिया से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण, फरियादियों को उचित न्याय और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि काशीपुर को जाम से मुक्त रखने के लिए भी वे एक प्रभावी प्लान बनाएंगे। ओवरलोडिंग पर लगाम कसी जाएगी और ई-रिक्शा संचालन पर भी पैनी नजर रहेगी। बता दें कि वे 2015 बैच के पीपीएस अधिकारी हैं और संगठित अपराध व माफिया के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं। इससे पूर्व वह रुद्रपुर के सीओ सिटी रह चुके हैं।

भूमि प्रकरण की एसआईटी जांच हो

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: तहसील बाजपुर और गदरपुर क्षेत्र में बुक्सा जनजाति की भूमि को कथित रूप से नियमों को ताक पर रखकर सामान्य वर्ग के नाम हस्तांतरित करने का मामला गरमा गया है। गुरुवार को जनजाति समाज के युवाओं और पीड़ितों ने एडीएम (वित्त एवं राजस्व) कोस्तुभ मिश्रा के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच के लिए विशेष समिति (एसआईटी) गठित करने की मांग की।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि अधिकारियों की मिलीभगत से जनजाति की भूमि को सामान्य वर्ग को स्थानांतरित किया गया है। इससे बुक्सा समाज के सामने आजीविका और निवास का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ितों का कहना है कि वर्ष 2018 में



एडीएम कोस्तुभ मिश्रा से न्याय की गुहार लगाते जनजाति समाज के लोग।

अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा दिए गए आदेशों का भी प्रशासन ने पालन नहीं किया है।

ज्ञापन में नंदपुर, मझरा हसन, बांसखेड़ी, कुल्हा, चंदायन, धीमरखेड़ा और भीकमपुरी जैसे गांवों का उल्लेख करते हुए सभी पुराने भूमि हस्तांतरणों की पत्रावलियों की पुनः जांच की मांग

की गई है। इस मौके पर भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश सिंह, अधिवक्ता कृष्णा सिंह, सोमल सिंह, कर्म सिंह, विनोद सिंह, पूरन सिंह, प्रीतम सिंह, लखन सिंह, स्वरूप सिंह, हरि सिंह, जीत सिंह आदि मौजूद रहे। एडीएम ने मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

सर्पदंश से महिला की हालत गंभीर

काशीपुर: शादी समारोह के दौरान घर में घुसे सांप ने महिला को डस लिया। जिसके चलते महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसके बाद महिला को इलाज के लिए चामुंडा मंदिर के पास स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार की शाम मोहल्ला जसपुर खुर्द निवासी जमुना वर्मा पत्नी प्रदीप कुमार अपने मायके में एक शादी समारोह में गई हुई थी। जहां शाम लगभग सात बजे शादी वाले घर ही एक विषैले सांप ने उसको काट लिया। सांप के काटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसके बात परिजन उसको लेकर चामुंडा मंदिर के पास स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसको एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने इलाज के बाद उसको घर भेज दिया।



एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते विशाल नारंग।

75 साल पहले हुए भूमि आवंटन में जांच की मांग

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम चकरपुर में वर्ष 1951 में आवंटित हुई 10 एकड़ भूमि के रिकॉर्ड में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए एक परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है। गुरुवार को ग्राम चकरपुर (गदरपुर) निवासी विशाल नारंग अपने परिजनों और अधिवक्ता के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे और सचिव राजस्व विभाग के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को सौंपा।

पीड़ित परिवार का कहना है कि

देश के विभाजन के बाद उनके दादा स्वर्गीय दौलत राम को जीवनयापन के लिए बाजपुर तहसील के ग्राम चकरपुर में 10 एकड़ कृषि भूमि आवंटित की गई थी। आरोप है कि उनके दादा के सरल स्वभाव और अनपढ़ होने का लाभ उठाकर तत्कालीन अधिकारियों ने रिकॉर्ड में हेरफेर कर भूमि को गदरपुर तहसील में दर्शा दिया। विशाल नारंग ने बताया कि आवंटन पत्र में स्पष्ट रूप से 'तहसील बाजपुर' दर्ज है, लेकिन वर्तमान में यह भूमि नियम विरुद्ध तरीके से किसी अन्य के नाम दर्ज हो चुकी है।

पूजा करते वक्त वृद्धा झुलसी, मौत

काशीपुर: पूजा करते वक्त दीये की लौ से झुलस कर एक वृद्धा की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

रामनगर के मोहल्ला लखनपुर निवासी मालती देवी (70) पत्नी विक्रम सिंह बीते बुधवार को पूजा कर रही थीं। इसी दौरान दीये की लौ ने उनके कपड़ों में आग पकड़ ली। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजन उनको पहले रामनगर के एक अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। तब परिजनों ने उनको बीती शाम को गिरीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पर इलाज के दौरान उनकी देर रात मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया।

शादी कर कोतवाली पहुंची लापतायुवती

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: पांच दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई एक युवती ने नाटकीय घटनाक्रम के बीच गुरुवार को कोतवाली पहुंचकर सबको चौंका दिया। युवती ने बताया कि उसने अपने प्रेमी के साथ शादी कर ली है। परिजनों के समझाने के बावजूद वह अपने पति के साथ रहने के फैसले पर अडिग रही।

जानकारी के अनुसार, तीन मई को शहरी सीमा से सटे एक गांव की महिला अपनी पुत्री के साथ बाजपुर शूगर फैक्ट्री परिसर आई थी, जहां से युवती अचानक लापता हो गई। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद भी जब उसका सुराग नहीं मिला, तो मां ने गांव के ही एक युवक पर अपनी बेटी को ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस में

गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

गुरुवार को युवती और युवक स्वयं कोतवाली पहुंचे और पुलिस को अपने विवाह के बारे में जानकारी दी। सूचना मिलते ही युवती के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवती को समझाने और घर वापस ले जाने का काफी प्रयास किया, लेकिन युवती ने स्पष्ट कर दिया कि वह बालिग है और उसने अपनी मर्जी से युवक के साथ जीवन बिताने का निर्णय लिया है।

मामले की जांच कर रहे एसआई कैलाश चंद्र नगरकोटी ने बताया कि युवक और युवती दोनों बालिग हैं। युवती ने स्वेच्छा से विवाह करने और युवक के साथ ही रहने का बयान दर्ज कराया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने और बयान दर्ज करने के बाद युवती को उसके पति के साथ भेज दिया गया।

सिटी ब्रीफ

पाइपलाइन लीकेज ठीक कराने की मांग

सितारगंज : आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के विधानसभा अध्यक्ष संदीप कुमार ने विरेंद्र नगर चौराहा सितारगंज में पिछले करीब दो माह से पाइपलाइन लीकेज की समस्या को लेकर जल संस्थान को ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को दिए ज्ञापन में संदीप ने बताया कि विरेंद्र नगर चौराहे पर पिछले दो माह से पाइपलाइन लीकेज होने के कारण लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। जिससे सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सड़क पर पानी फैलने से दोपहिया वाहन चालक फिसलकर घायल हो रहे हैं। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों को पत्र लिखकर समस्या के समाधान कराने की मांग की थी। लेकिन, अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

डाकघर का सर्वर ठप कामकाज प्रभावित

खटीमा : स्थानीय उप डाकघर में पिछले एक सप्ताह से सर्वर खराब होने के कारण बैंकिंग और अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। 30 अप्रैल से आई इस तकनीकी खराबी के चलते सैकड़ों खाताधारक लेनदेन, आरडी, चेक बुक और अन्य बचत योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। डाकघर में सन्नाटा पसरा हुआ है और उपभोक्ता रोजाना चक्कर काटकर लौट रहे हैं।

डिजिटल शिक्षा को मजबूत करेंगी इनफ्लिबनेट सेवाएं

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में 'इनफ्लिबनेट' केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से 'वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन' और डिजिटल सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने ई-संसाधनों के लिए नए 'रिमोट एक्सेस प्लेटफॉर्म' और डिजिटल सेवाओं पर एक



दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने ई-संसाधनों के लिए नए 'रिमोट एक्सेस प्लेटफॉर्म' और डिजिटल सेवाओं पर एक

डीएम ने पुस्तकालय के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वहां बिताया गया समय बेहद उपयोगी

जसपुर में पूरे माह रहेगी सात घंटे बिजली कटौती

जसपुर: नगर एवं देहात क्षेत्र में आज से बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। गमी में परेशानी से बचने के लिए लाइनों पर कंडक्टर बदलने का काम आज यानी शुक्रवार से शुरू होगा। बिजली विभाग ने नगर एवं देहात के सभी फीडरों पर काम कराने का निर्णय लिया। इस दौरान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सात घंटे रोजाना बिजली बंद रहेगी। बिजली विभाग तीस मई तक लाइनों पर काम करायेगा। ईंदुलजुहा पर्व पर तीन दिन तक लगातार सात घंटे बिजली बंद करने की सूचना पर नाराज मुस्लिम समाज के लोगों ने विधायक से मिलकर आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की। विधायक ने विभाग के ईई से पर्व पर आपूर्ति सुचारू रखने को कहा है। बता दें कि आगामी 27 मई को ईंदुलजुहा पर्व है। यह पर्व तीन दिन तक मनाया जाता है।



खटीमा में अध्यक्ष रामलखन का फूल माला से स्वागत करते व्यापारी।

राम लखन सर्वसम्मति से चुने गए अध्यक्ष
खटीमा। खटीमा में उर्वरक एवं कीटनाशक व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों के हितों व समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान किसान बीज भंडार के मालिक रामलखन मौर्य को सर्वसम्मति से संगठन का अध्यक्ष चुना गया। सभी व्यापारियों ने नवनि्युक्त अध्यक्ष का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। नवनि्युक्त अध्यक्ष मौर्य ने कहा कि व्यापारियों की एकजुटता से ही समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर कार्य करेगा। बैठक में उर्वरक की उपलब्धता, लाइसेंस संबंधी कठिनाइयों और बाजार में प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। सभी सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नवीन सिंघल, बृज बिहारी, सुभाष चंद्रा, सुनील प्रजापति, संतोष मौर्य, धरम बिहारी, कमलाकर सिंह, अवधेश मौर्य, गुरविंदर सिंह, जीतेन्द्र सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

जिले भर के स्कूली बच्चों को खिलायी कृमिनाशक दवा

कृमि मुक्ति दिवस पर डीएम ने किया अभियान का शुभारंभ, राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जनपद में बच्चों को कुपोषण मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिए' राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय गांधी कॉलोनी में स्कूली बच्चों को कृमिनाशक एल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर किया गया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पेट के कीड़ों से मुक्ति आवश्यक है। कृमि संक्रमण से न केवल बच्चों में खून की कमी (एनीमिया) होती है, बल्कि उनकी सीखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के समन्वय से जनपद के शत-प्रतिशत बच्चों को यह दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जनपद के सभी सरकारी, निजी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से 1 से 19 वर्ष तक के 603960 बच्चों को



बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा देते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

खटीमा के राजीव गांधी नवोदय में बच्चों को एल्बेंडाजोल टेबलेट की पहली डोज खिलाई

खटीमा : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत वर्ष के प्रथम चरण के राष्ट्रीय कृमि मुक्ति मिशन का आरंभ राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में बच्चों को एलबेंडाजोल टेबलेट की पहली डोज खिलाई गई। उप प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडे के निर्देशन में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हेमलता पाठक द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि दवा एकाधारी न हो और खिलाने के बाद बच्चों को कोई स्वास्थ्य समस्या न उत्पन्न हो। जिसमें निर्मल कुमार न्योलिया, ललित मोहन जोशी, डॉ. अच्युत कुमार, कमला जोशी, पिंकी सिंह ने सहयोग किया।

यह दवा खिलाई जाएगी। आश्वस्त किया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में दी जा रही है। उन्होंने बच्चों को भोजन से पहले हाथ धोने और खुले में शौच न करने जैसी स्वस्थ आदतों को अपनाने

की शपथ भी दिलाई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.केके अग्रवाल ने बताया कि जो बच्चे आज किसी कारणवश दवा नहीं खा पाए हैं उन्हें आगामी 14 मई को मॉप-अप डे पर दवा खिलाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र



खटीमा के राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में बच्चों को एलबेंडाजोल टेबलेट देता प्रबंधत।

बाजपुर के सरकारी व निजी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में चलाया अभियान

बाजपुर : राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर विकासखंड क्षेत्र के सरकारी, अर्धसरकारी, निजी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान हजारों बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ब्लॉक संसाधन केंद्र के माध्यम से 280 विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के लिए 54, 181 गोлияया उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही क्षेत्र के 288 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों के लिए 12,230 टेबलेट वितरित की गई। अभियान के तहत 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरों को कवर किया गया। अभियान के दौरान शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली पीसकर खिलाई गई, जबकि उससे अधिक आयु के बच्चों को पूरी गोली दी गई। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए वे विभाग के ऐसे अभियानों में सक्रिय सहयोग करें।

मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी सावेद आलम, डीपीएम हिमांशु मुस्त्यूनी, आरबीएस टीम से कार्यक्रम प्रबंधक

जावेद पूरन, आमिर, पंकज गुसाई, विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं छात्राएं आदि उपस्थित थे।

दुष्कर्म प्रकरण में लापरवाही पर दो सिपाही हुई निलंबित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किशोरी से दुष्कर्म किए जाने के प्रकरण में लापरवाही बरतने पर एसएसपी ने दो महिला सिपाहियों को निलंबित कर दिया है। सीओ जांच के बाद एसएसपी ने कठोर एक्शन लिया है।

कोतवाली इलाके में छह मई को एक महिला ने कोतवाली रुद्रपुर, थाना पंतनगर के अलावा पुलिस कार्यालय स्थित महिला हेल्प डेस्क में आकर शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि 17 अप्रैल को उसकी नाबालिग बेटी को यश प्रताप सिंह नाम का युवक बहला फुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद किशोरी गर्भवती

भी हो गई। कई बार महिला हेल्प डेस्क के चक्कर काटने के बाद भी पीड़िता की शिकायत दर्ज नहीं की और प्रकरण में घोर लापरवाही बरतने का मामला सामने आया। पीड़िता ने मामले की शिकायत एसएसपी अजय गणपति कुंभार को दी। सीओ पंतनगर डीआर वर्मा ने मामले की जांच की और रिपोर्ट पुलिस कार्यालय भेजी। जांच रिपोर्ट के अनुसार किशोरी दुष्कर्म प्रकरण में महिला हेल्प डेस्क कोतवाली रुद्रपुर में तैनात महिला मुख्य आरक्षी पायल आर्या और महिला सिपाही मंजू आर्या को लापरवाही बरतने का दोषी माना गया। जिस पर एसएसपी ने फौरन दोनों महिला पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया।

डोडा और हथियारों के साथ तस्कर धरा

किच्छा: "ड्रग्स फ्री उत्तराखंड" अभियान के तहत कुमाऊं आईजी रिड्डिम अग्रवाल के निर्देशन में एसओटीएफ और पुलभट्टा पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने सिरौली कला क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक बुलेट सवार तस्कर को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और अवैध हथियारों के साथ दबोच लिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान आकिब अहमद (निवासी सिरौली कला) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 16.550 किलो डोडा (पोस्ट), एक देसी तमंचा और 10 कारतूस परामद हुए। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बुलेट बाइक को सीज कर दिया है और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।



नोजगे पब्लिक स्कूल में आयोजित क्रॉस कंट्री रेस में शिरकत करते बच्चे।

नोजगे स्कूल बना ओवरऑल चैंपियन
खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल में 'वर्ल्ड एथलेटिक्स डे' पर 'क्रॉस कंट्री रेस' का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 12 सीबीएसई सम्बद्ध विद्यालयों के करीब 300 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। रेस का शुभारंभ चेयरमैन राजपाल सिंह, प्रबन्ध निर्देशिका कौर, प्रधानाचार्य एचसी पंत ने झंडी दिखाकर किया। अंडर 12, 14, 18 आयु वर्ग में कराई गई। अंडर 12 रेस में ट्रेफोर्ड पब्लिक स्कूल चक्रपुर की बबीता और गौरव खोलिया, अंडर 14 में नोजगे पब्लिक स्कूल हेप्पी मेम की जाह्नवी राय और ट्रेफोर्ड पब्लिक स्कूल चक्रपुर के दीपेश, अंडर 18 में नोजगे पब्लिक स्कूल की सिमता मेहरा और हिंद पब्लिक स्कूल के आर्यन सक्सेना ने प्रथम स्थान हासिल किया। ओवर ऑल चैंपियन की ट्रॉफी नोजगे पब्लिक स्कूल ने 62 अंकों के साथ जीती जबकि ट्रेफोर्ड पब्लिक स्कूल 61 अंकों के साथ द्वितीय और सेंट जेवियर 15 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहा। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल और चैंपियन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

चंपावत की घटना को लेकर रोष

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: चंपावत में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म की घटना से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। विरोध में कार्यकर्ताओं ने चामुंडा मंदिर के समीप भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और पुतला फूँका। साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं युवा कांग्रेस ने इंदिरा चौक पर भाजपा सरकार का पुतला फूँका।

इस दौरान कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी, पूर्व विधायक राजकुमार टुकराल, कांग्रेस जिला अध्यक्ष हिमांशु गावा परिमल राय, योगेश चौहान, संजीव गुप्ता, विकास बंसल, संजय टुकराल, सतीश कुमार, सुशील मंडल पार्षद, शुभम दास पार्षद आदि मौजूद रहे।



रुद्रपुर में भाजपा सरकार का पुतला फूंकने के दौरान मौजूद कांग्रेसी।

कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया
खटीमा : चंपावत की नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में आक्रोशित महिला कांग्रेस, एनएसयूआई तथा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौक पर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार का पुतला दहन किया। मुख्य चौक पर कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश सिंह राठौर ने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से महिलाओं के साथ अत्याचार और उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़े हैं। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेखा सोनकर, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, सतपाल राणा मौजूद रहे।



सिटी डायरी



खटीमा में नालों की सफाई का निरीक्षण करते पालिकाध्यक्ष।



जेके स्कूल में ऊंची कूद प्रतियोगिता में शिरकत करते बच्चे।

विश्व एथलेटिक्स दिवस पर जेके पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिताएं

खटीमा: विश्व एथलेटिक्स दिवस पर जेके पब्लिक स्कूल में बृहस्पतिवार को खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत स्कूल प्रबंधक अजय मौर्य ने मशाल प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता के दौरान कई रोमांचक खेल आयोजित किए गए। जिनमें लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉट पुट, बैडमिंटन, दौड़ आदि प्रतियोगिताएं शामिल रही। अंत में विभिन्न स्पर्धा में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पंत विवि की शोधार्थी सिंगापुर में सम्मानित

पंतनगर : जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थित विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन विज्ञान की शोधार्थी डॉ. ज्योति माहेश्वरी को प्राध्यापक डॉ. एमजीएच जैदी के निर्देशन में बेहतर शोध पत्र प्रस्तुत करने पर सिंगापुर में सम्मानित किया गया है। सिंगापुर में मेनस ग्रुप यूएसए की ओर से 23-25 अप्रैल को नौवें सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश- विदेश से शोध पत्र प्रस्तुत किए।



सिंगापुर में डॉ. ज्योति माहेश्वरी को सम्मानित करते आयोजक।

आवारा पशु से टकराकर

बाइक सवार घायल

सितारगंज : नगर में लावारिस पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को कोतवाली सितारगंज गेट से कुछ दूरी पर एक लावारिस पशु ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

वार्ड नंबर चार निवासी सरफराज अहमद (59) ने बताया कि मस्जिद में नमाज पढ़ने के बाद वह बाइक से बाजार की ओर जा रहा था तभी रास्ते में कोतवाली गेट से कुछ दूरी पर लावारिस पशुओं के एक झुंड ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने घायल को संभाला और तत्काल उपचार के लिए उप जिला अस्पताल, सितारगंज में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने बताया कि सरफराज के हाथ, सिर और चेहरे पर चोटें आई हैं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में नगर में घूम रहे लावारिस पशुओं को लेकर नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि बाजार और मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिससे आदि इन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं, पार्टी कार्यालयों में आगजनी, घरों पर हमले और पलायन जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की विफलता के साथ ही लोकतांत्रिक संस्कृति पर गहरे संकट का संकेत हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा नई घटना नहीं है, वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उदय तक की यही कहानी है, पर सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक संघर्ष की वर्तमान घटनाओं को बंगाल की उस हिंसक राजनीतिक परंपरा का हवाला देकर इस हिंसा को सामान्य नहीं कह सकते। राजनीतिक मतभेद अब वैचारिक संघर्ष न रहकर सामाजिक प्रतिशोध का रूप लेते जा रहे हैं। सबसे भयावह पहलू यह है कि हमले केवल पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि घरों तक पहुंच रहे हैं। जब परिवार, महिलाएं और बच्चे राजनीतिक संघर्ष की कोमत चुकाने लगे, तब यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, सामाजिक विघटन का संकेत होता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव जनादेश का उत्सव होना चाहिए, भय और बदले का नहीं। इस संदर्भ में नेताओं की भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

ममता बनर्जी के चुनाव परिणामों और चुनाव आयोग को लेकर आक्रामक तथा अडिगल रुख को उनके समर्थकों ने किस रूप में लिया, यह गंभीर प्रश्न है। जब शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश दे कि जनादेश ‘छीन’ लिया गया है, तो कार्यकर्ताओं में उग्रता बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर भाजपा नेताओं की भाषा भी संर्यमित नहीं रही। यह कहना कि ‘सबका साथ, सबका विकास के बाद अब सबका हिसाब होगा’ निश्चित रूप से उत्तेजक और प्रतिशोधात्मक संदेश देता है। लोकतंत्र में ‘हिसाब’ चुनाव से होता है, सड़क की हिंसा से नहीं। सुरक्षा तंत्र की विफलता और भी गंभीर मसला है। चुनाव से पहले भारी केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। कहा गया कि कोलकाता में मणिपुर से भी अधिक सुरक्षाबल मौजूद हैं। गुह मंत्रालय ने दूरदर्शिता दिखाते हुए चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद यह हिंसा भड़कती है, फैलती है और हत्याओं तक पहुंच जाती है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की नहीं, प्रशासनिक तंत्र की भी असफलता है। बाई लाख सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि खुफिया तंत्र हिंसा की आशंका नहीं भांप पाया, तो जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। भाजपा का यह आरोप कि हतोत्साहित तृणमूल कार्यकर्ता हिंसा फैला रहे हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक हिंसा अक्सर एकतरफा नहीं होती; प्रतिशोध और प्रतिक्रिया का चक्र दोनों पक्षों को इसमें शामिल कर देता है। यदि तृणमूल के कार्यालय और कार्यकर्ता अधिक निशाने पर हैं, तो यह भी संभव है कि हिंसा बहुपक्षीय रूप ले चुकी हो।

केंद्र सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर अतिरिक्त बल, त्वरित गिरफ्तारी, संयुक्त नियंत्रण कक्ष और राज्य सरकार पर अधिक दबाव जैसे कदम पहले उठा सकती थी। अब भी आवश्यकता संयुक्त शांति प्रयास है। संभव है गुहमंत्री पहुंचने तक हिंसा रुक जाए। फिलहाल बंगाल को यह समझना होगा कि हिंसा से कोई स्थायी सिपासी सुरक्षा नहीं मिल सकती। यदि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संयम नहीं सिखा सके, तो अंततः सबसे बड़ी हार जनता और लोकतंत्र दोनों की होगी।

प्रसंगवश

पैरानॉयड डिसऑर्डर मतलब खामोश संकेत, बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दराक को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना, जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। विभिन्न रिपोर्ट्स में सामने आई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल ‘शक’ था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था, जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और

बाकी लोग गलत हैं। यही कारण है कि वह इलाज से बचता है और परिवार भी कई बार इसे ‘जिद’ या ‘स्वभाव’ समझकर नजरअंदाज कर देता है। धीरे-धीरे यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पुरुषों में यह विकार अक्सर अधिकार और नियंत्रण के रूप में सामने आता है। पत्नी की स्वतंत्रता, उसकी बातचीत, उसके संबंध हर चीज पर संदेह करना धीरे-धीरे एक आदत नहीं, बल्कि मानसिक जकड़न बन जाता है। समस्या तब और गहरी हो जाती है, जब समाज इस व्यवहार को ‘सामान्य’ या ‘पुरुष स्वभाव’ कहकर स्वीकार कर लेता है। यही सामाजिक स्वीकृति इस विकार को पहचानने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उत्तर प्रदेश की घटना इसी अन्देखी का चरम परिणाम है, जहां शक ने संवेदना को निगल लिया।

महिलाओं के संदर्भ में भी यह समस्या कम गंभीर नहीं है। कई बार महिलाएं भी पैरानॉयड सोच का शिकार हो जाती हैं, जहां वे अपने पति या परिवार के अन्य सदस्यों पर बिना कारण संदेह करने लगती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ मामलों में महिला को यह विश्वास हो जाता है कि उसका पति उसे धोखा दे रहा है, भले ही उसके पास कोई प्रमाण न हो। यह संदेह धीरे-धीरे उसके मानसिक संतुलन को बिगाड़ता है और रिश्तों में तनाव पैदा करता है।

एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रसव के बाद की मानसिक स्थिति से जुड़ा है। पोस्टपार्टम साइकोसिस जैसी अवस्था में कुछ महिलाओं में पैरानॉयड विचार विकसित हो सकते हैं। उन्हें लग सकता है कि कोई उनके बच्चे को नुकसान पहुंचाएगा या परिवार उनके खिलाफ साजिश कर रहा है। इस मानसिक भ्रम के कारण वे असामान्य और कभी-कभी खतरनाक व्यवहार कर सकती हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मानसिक असंतुलन के कारण मां ने अपने ही बच्चे को नुकसान पहुंचाया। ये उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि यह विकार केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है, यह एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)



शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।

–नेल्सन मंडेला, पूर्व राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका

सोमनाथ और भारत की अजेय भावना



नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति करता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसम्भवम्। अर्थात् दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

आमने

अगर स्मार्ट मीटर में बेईमानी हो सकती है, तो ईवीएम कैसे सुरक्षित है? ईवीएम में बेईमानी क्यों नहीं हो सकती? भाजपा झूठ की सोन पापड़ी है। एक झूठ की परत के ऊपर दूसरी परत बढ़ा देती है।।प्रोपेगंडा भाजपा का टार्गेटेड कैंपेन है।। वो जनता को डराकर चुनाव लड़ती है।

–अखिलेश यादव

–अनिल राजभर

सपा मुखिया

समाजवादी पार्टी के मुखिया की हालिया प्रेस

कोङ्ग्रेस में (बंगाल) हार की बौखलाहट

और फ्रस्टेशन साफ उनके चेहरे पर दिखाई

दे रहा है। अखिलेश यादव चुनावी हार के

बाद मनगढ़ंत तरीके से ईवीएम और

नुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं,

जबकि यह कोई नई बात नहीं है।

सामने

‘नमामि’ मिशन की जमीनी हकीकत

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नमामि) के तहत भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है। वर्ष 2024 के बाद इसे ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिससे अपेक्षा थी कि यह प्रयास और राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डाटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध आगे बढ़ेगा। परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है और यह पहल अनेक संरचनात्मक तथा प्रशासनिक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है।

हाल के दिनों में बिहार एवं देश अन्य हिस्सों से यह समाचार मिल रहे हैं कि जिला प्रशासन की पहल पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण के लिए एकत्र किया जा रहा है। यह पहल पहली दृष्टि में अत्यंत सकारात्मक और स्वागतयोग्य प्रतीत होती है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है, किंतु इसके साथ यह आशंका भी जुड़ी रहती है कि कहीं यह प्रयास केवल औपचारिकता या सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित न रह जाए।

इतिहास में जब भी प्रशासनिक स्तर पर विरासत संरक्षण की बात होती है, तो अलेक्जेंडर कनिंघम जैसे उदाहरण याद आते हैं, किंतु समकालीन संदर्भ में यह भी स्पष्ट है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रशासनिक तंत्र में इस दिशा में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का अभाव रहा है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं प्रारंभ तो होती हैं, परंतु उनमें निरंतरता और संस्थागत स्थायित्व नहीं बन पाता।

डिजिटलीकरण के संदर्भ में ‘कृति संपदा’ जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम

से लाखों पांडुलिपियों का पंजीकरण किया गया है। भंडारकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा अन्य पांडुलिपि संसंधान केंद्रों में स्कैनिंग, मेटाडेटा निर्माण और संरक्षण का कार्य जारी है। इसके बावजूद, पांडुलिपियों का राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डाटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से चरणबद्ध ढंग से अद्यतन होती रहती है।

उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, पांडुलिपियों की अधिकतम संख्या तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में पाई जाती है, जहां मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में इनका विशाल भंडार सुरक्षित है। वहीं राजस्थान और गुजरात में जैन तथा संस्कृत पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐतिहासिक पुस्तकालयों और विद्वत केंद्रों के कारण उल्लेखनीय संग्रह मौजूद हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर में तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

कुल मिलाकर, भारत में लगभग 45–50 लाख पांडुलिपियों का अनुमान है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपंजीकृत या निजी हाथों में है। ऐसे में ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ का कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि इन विविध स्रोतों को एकीकृत कर एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना भी है। इसके बावजूद, इस विशाल संख्या की तुलना में डिजिटलीकरण की गति अभी भी धीमी है। कई परियोजनाएं तकनीकी उन्नयन, सतत वित्तपोषण और

डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता के अभाव में अधूरी रह जाती हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा देश के अधिकांश पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति है। बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ दें तो जिला, विश्वविद्यालय और निजी संग्रहालयों में बुनियादी अवसरंचना का अभाव है। नियंत्रित तापमान, आर्द्रता प्रबंधन, प्रशिक्षित संरक्षक और उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनिंग उपकरणों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कई पुस्तकालय आज भी पारंपरिक सूचीकरण तक सीमित हैं और कुछ स्थानों पर तो न्यूनतम स्टाफ की उपलब्धता नहीं है। परिणामस्वरूप, वित्तीय संसाधनों की कमी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

मानव संसाधन का संकट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पांडुलिपि विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की संख्या अत्यंत सीमित है। यद्यपि मिशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, परंतु उनका प्रभाव और विस्तार अभी पर्याप्त नहीं है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो नमामि की सबसे बड़ी चुनौती ‘नीति और क्रियान्वयन के बीच का अंतर’ है। एक ओर इसकी परिकल्पना व्यापक और दूरदर्शी है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर संस्थागत समन्वय, तकनीकी मानकीकरण और सतत वित्तपोषण का अभाव इसकी गति को सीमित करता है। डिजिटलीकरण के बाद भी डेटा की आपन-एक्सेस उपलब्धता सीमित है, जिससे शोधार्थियों और आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)



दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300 वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, “इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।” उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं। पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

वैचारिकी 10

सोशल फोरम

प्रोफेसरों के नोट्स

हमारे यहां के प्रोफेसरों का आलम यह है कि वे एक ही विषय को सालों साल पढ़ाते रहते हैं। उनके पढ़ाने में कोई बेहतरी नजर नहीं आती। कोई नई अंतर्वस्तु नजर नहीं आती। उनके क्लास नोट्स में कोई नयापन या नई ठोस सामग्री और समझ नहीं होती। इसके विपरीत स्थितियां देखें, मैं इन दिनों मिशेल फूको के



जगदीश्वर चट्टोपदी

पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग कलकत्ता यूनिवर्सिटी

के कक्षा में दिए गए व्याख्यान या यों कहें क्लास नोट्स पढ़ रहा हूं, उनमें गजब की मेहनत नजर आती है।

मिशेल फूको College de France में 1971 से लेकर मृत्यु पर्यंत प्रोफेसर रहे, वहां नियम था कि प्रोफेसर को साल में 26 घंटे पढ़ाना है, इनमें आधे समय उनको सेमीनार के रूप में बोलना होता है और हर साल नई रिसर्च करके पढ़ाना होता था। वहां पाठ्यक्रम एकदम खुले होते थे, किसी क्रिस्म के नामांकन की जरूरत नहीं

होती थी, शर्त एक होती थी जो विषय चुना है, उस पर हर साल नया शोध करके लेक्चर दो। इस क्रम में मिशेल फूको के क्लास नोट्स सामने आए।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू देखें। हिंदी में जो आए दिन फूको-फूको करते रहते हैं या फिर पश्चिम के विद्वानों को उद्धृत करके किताबें लिखते रहते हैं, व्याख्यान देते रहते हैं, उनमें से अधिकांश तो ठीक से कक्षा में पूरे समय पढ़ाने तक नहीं जाते, उनके क्लास नोट्स मिल जाएं तो आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

मसलन, नामवर सिंह के क्लास नोट्स प्रकाशित हो चुके हैं, वे किसी भी तरह एक प्रोफेसर के नोट्स नहीं लगते। खासकर एक ऐसे प्रोफेसर के नोट्स तो एकदम नहीं लगते, जो दुनियाभर के साहित्य का गंभीर अध्येता रहा हो। हिंदी में रामचंद्र शुक्ल के साहित्य इतिहास को देखें या फिर हजारी प्रसाद द्विवेदी के दिए गए व्याख्यानों को देखें, तो एकदम नए क्रिस्म का अध्यापकीय विवेक और शोधदृष्टि सामने आएंगी।

रामचंद्र शुक्ल ने एमए हिंदी के विद्यार्थियों को इतिहास पढ़ाते समय जो नोट्स बनाए, उनके आधार पर बाद में हिंदी साहित्य का इतिहास नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा। द्विवेदी ने आदिकाल नामक किताब में अपने व्याख्यान शामिल किए हैं, इनमें एकदम नई सामग्री है, यही स्थिति उनकी व्याख्यानों की किताब मध्यकालीन बोध का स्वरूप की है। वहां पर मध्यकाल पर एकदम नए नजरिए से विचार किया गया है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी



एनसीईआरटी किताबें विवादों में घिरी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), 2020 के तहत विकसित किया गया नेशनल कॉिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2023 भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन है, इसका मकसद छात्रों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, जिसमें होलिस्टिक डेवलपमेंट, कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग और इनक्लूसिविटी अर्थात समावेशिता पर जोर दिया गया है। स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। फाउंडेशनल (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11 वर्ष), मिडिल (11-14 वर्ष) और सेकेंडरी (14-18 वर्ष) कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग यानी रोट मेमोराइजेशन के बजाय कौशल आधारित शिक्षा पर जोर, फर्नकिसबल सब्जेक्ट चॉइस यानी सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को विषय चुनने की आजादी, होलिस्टिक डेवलपमेंट यानी शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर ध्यान और इनक्लूसिविटी मायने

सभी छात्रों के लिए समान अवसर तय करना है, नतीजतन उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम और पठन-पाठन की सामग्री को विकसित है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्लास एके से लेकर आठ तक नई किताबें बाजार में आने के साथ ही विवादों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुद्दा एक नहीं लोगों को कई चीजों पर ऐतराज है। एनसीईआरटी पर इतिहास को सांप्रदायिक दृष्टिकोण से पेश करने के आरोप लग रहे हैं।। मुगल साम्राज्य के बारे में कुछ अध्यायों को हटाने का फैसला किया गया, जिसका इतिहासकारों और शिक्षकों ने विरोध किया। देश के कई शहरों में एनसीईआरटी की नकली किताबों का खज्ीरा बरामद हुआ, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं,

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं क्लास की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने इस पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

वर्तमान, नये शैक्षणिक सत्र की किताबें मार्केट में हैं। पहले एनसीईआरटी की फाउंडेशनल से लेकर मिडिल क्लासों की भाषाई पाठ्य पुस्तकों के नाम भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और क्लासिकल रागों के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई गई। अब नई किताबों में पुरानी किताबों के कुछ संदर्भ न होने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। सातवीं की सोशल साइंस की किताब में मुगलों व दिल्ली सल्तनत के संदर्भों को हटा दिया गया है। भारतीय राजवंशों पर चैप्टर, महाकुंभ का संदर्भ, मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चार धाम, धार्मिक यात्राओं जैसी योजनाओं के बारे में बताया गया है।

सोशल साइंस की नई किताब में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर शामिल किए गए हैं। पवित्र भूगोल (सेकेंड साइट) अब दुनिया भर में एक मान्यता प्राप्त एकेडेमिक डिस्सिप्लिन है, भारत के अनूठे मामले पर कई अध्ययन हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही कई शैक्षिक आयोगों और शिक्षाविदों ने हमारे बच्चों में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह चैप्टर ऐसी भावना विकसित करने के कई संभावित तरीकों में से एक है। एनसीईआरटी किताब का टाइटल आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान को दर्शाता है। देश के हर राज्य की संस्कृति को किताबों के माध्यम से बताया गया है। किताब के एक चैप्टर ऑल इंडियंस में बारह राज्यों के बारे में जानकारी दी गई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैज्ञानिकों ने काफी समय तक निगरानी करते हुए मालूम किया है कि रात में खाने के लिए शिकार ढूँढने वाले जीव-जंतु चांदनी रातों में बेहतरी से और अधिक ऊर्जा से शिकार करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चांदनी ही उन्हें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करती है। यह स्टडी साइंस एडवांसेज जर्नल पहली मई 2026 के अंक में 'मूनलाइट ड्राइव्स द एनर्जी बैलेंस एंड एनुअल साइकिल ऑफ नॉक्टर्नल फोरेजर' शीर्षक से स्पेन के साथ वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है। इस स्टडी की अहमियत पक्षियों के रात्रिकालीन व्यवहार, इनकी फिटनेस, शिकार पकड़ने की शक्ति के संचय के लिए चांदनी के प्रकाश की जरूरत और पारिस्थिकी संतुलन के लिए मानी गई है।

नाइटजार पक्षी

नाइटजार एक विश्वव्यापी समूह है, जिसमें ऐसे हवाई कीटपक्षी पक्षी शामिल हैं, जो सुबह और शाम के धुंधलके में या रात में सक्रिय रहते हैं। ये मुख्य रूप से कम रोशनी वाली स्थितियों में भोजन की तलाश करते हैं और दिन के समय बिना हिले-डुले आराम करते हैं, जिससे ये जीवों के व्यवहार और शारीरिक बनावट पर चंद्रमा की रोशनी के प्रभावों की जांच करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम बन जाते हैं। कई प्रजातियों पर किए गए पिछले अध्ययनों में चंद्रमा के चक्र और रोजाना भोजन की तलाश करने की गतिविधि, साथ ही प्रजनन और प्रवास जैसे ऊर्जा की ज्यादा खपत वाले वार्षिक जीवन-इतिहास की के समय के बीच संबंध पाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि चंद्रमा की रोशनी ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर समय-समय पर कुछ सीमाएं लगा सकती है। हालांकि चंद्रमा की रोशनी को किसी जीव की व्यक्तिगत गतिविधि, ऊर्जा के बंटवारे और जीवन-इतिहास से जुड़े फैसलों से जोड़ने वाले तंत्रों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। नाइटजार सुबह और शाम के धुंधलके में भोजन की तलाश के छोटे-छोटे समय-अंतरालों के दौरान कीड़ों को पेट भर खा सकते हैं और शरीर के तापमान में अस्थायी कमी (जिसे 'टॉरपोर' कहते हैं) करके अपनी चयापचय लागत को कम कर सकते हैं। ये ऐसी रणनीतियां हैं, जो संभवतः उन्हें बिना चंद्रमा वाली रातों में भोजन की तलाश के लिए मिलने वाले बहुत ही कम समय का सदुपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। ये सभी विशेषताएं मिलकर नाइटजार पक्षियों को एक बेहतरीन मॉडल के रूप में स्थापित करती हैं,

वैज्ञानिक फैक्ट

अंतरिक्ष में डकार लेना क्यों होता है मुश्किल

पृथ्वी पर डकार लेना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम भोजन करते हैं या पानी पीते समय हवा निगल लेते हैं, तो वह गैस पेट में जमा हो जाती है और बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। यहाँ गुरुत्वाकर्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन और तरल पदार्थों को पेट के निचले हिस्से में बनाए रखता है, जबकि गैस ऊपर की ओर आ जाती है और आसानी से मुंह के रास्ते बाहर निकल जाती है। वहीं अंतरिक्ष में स्थिति बिल्कुल अलग होती है। वहां लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण यानी माइक्रोग्रैविटी होती है। ऐसी अवस्था में गैस, तरल और ठोस पदार्थ अलग-अलग परतों में नहीं बंट पाते। परिणामस्वरूप पेट में मौजूद हवा भोजन और तरल के साथ मिश्रित रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री सामान्य तरीके से डकार नहीं ले पाते। यदि वे डकार लेने की कोशिश करें, तो गैस के साथ पेट का तरल पदार्थ और भोजन भी मुंह तक आ सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'वेट बप' कहा जाता है, जो काफी असहज अनुभव हो सकता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों के खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ कम दिए जाते हैं, जो पेट में ज्यादा गैस बनाते हों, जैसे कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या अत्यधिक मसालेदार भोजन। अंतरिक्ष मिशनो में भोजन को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वह आसानी से पच जाए और

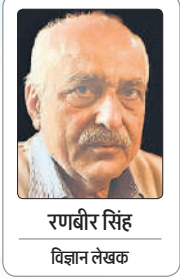


गैस की समस्या कम पैदा करे। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष में केवल डकार ही नहीं, बल्कि शरीर की कई सामान्य प्रक्रियाएं भी बदल जाती हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रैविटी के कारण शरीर के तरल पदार्थ ऊपर की ओर खिसकने लगते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों का चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। वहीं पैरों में रक्त और तरल कम पहुंचता है। अंतरिक्ष में पाचन तंत्र भी पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। कई अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया है कि वहां भोजन का स्वाद थोड़ा फीका लगता है, क्योंकि शरीर के तरल ऊपर आने से नाक बंद जैसी स्थिति बन जाती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री अधिक तीखे और मसालेदार भोजन को पसंद करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लंबे अंतरिक्ष मिशनो जैसे मंगल ग्रह की यात्रा के लिए मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों को समझना बेहद जरूरी है। डकार जैसी छोटी लगने वाली प्रक्रिया भी अंतरिक्ष विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध का विषय बन चुकी है। यह दिखाता है कि पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हमारी कई शारीरिक क्रियाएं वास्तव में गुरुत्वाकर्षण पर कितनी निर्भर हैं।



अमृत विचार

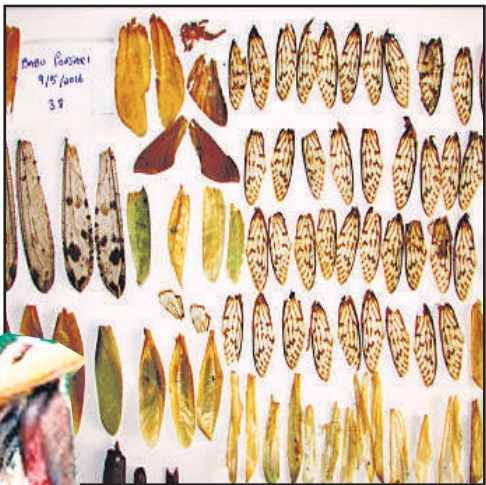
चूरे का



रणबीर सिंह

विज्ञान लेखक

शिकारी जीवों को ताकत देती है चांदनी



जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि चंद्रमा के चक्र किस तरह रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के व्यवहार, शरीर-क्रिया विज्ञान और जीवन-इतिहास से जुड़े समझौतों को प्रभावित करते हैं। लाल गर्दन वाले नाइटजारों (Caprimulgus ruficollis, जिन्हें आगे नाइटजार कहा जाएगा) का अध्ययन किया गया। उद्देश्य यह समझना था कि चंद्रमा का चक्र उनकी रोजाना की भोजन खोजने की आदतों और सफलता

को कैसे प्रभावित करता है। भोजन खोजने के दौरान चांदनी से जुड़ी बाधाएं किसी पक्षी के ऊर्जा भंडार और ऊर्जा बचाने वाले तरीकों (जैसे कि 'टॉरपोर' या सुप्तावस्था) के इस्तेमाल पर कैसे असर डालती हैं, और ये प्रभाव किस तरह मिलकर वार्षिक जीवन-चक्र की मुख्य घटनाओं जैसे कि प्रजनन, पंख झड़ना और प्रवास को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में मदद करते हैं। भोजन खोजने में मिली सफलता, ऊर्जा की प्राप्ति और प्रजनन व पंख झड़ने के लिए समय के बंटवारे का आकलन करने के लिए, शोधकर्मियों ने स्पेन के 'दोनाना' क्षेत्र से 2011 से 2020 के बीच इकट्ठा किए गए लंबे समय के क्षेत्रीय आंकड़ों का उपयोग किया। उड़ान संबंधी गतिविधियों, टॉरपोर की स्थिति और प्रवास के समय पर नजर रखने के लिए सन् 2016 से 2020 के दौरान 74 वयस्क नाइटजारों पर विशेष रूप से तैयार किए गए छोटे आकार के 'मल्टीसेंसर डेटा लॉगर' लगाए गए थे। इसके अलावा, पांच अन्य पक्षियों पर 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' लॉगर भी लगाए गए थे।

चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं

ज्यादातर जीव-जंतु कई समय-सीमाओं में होने वाले समय-समय पर होने वाले पर्यावरणीय बदलावों का सामना करते हैं। ये बदलाव आकाशीय पिंडों की घूमने और अपनी जगह बदलने वाली गतियों के कारण भी होते हैं, जिससे जीवों में भू-भौतिकीय चक्रों के हिसाब से ढलने की क्षमता विकसित होती है। इन बदलावों में, उदाहरण के लिए, प्रजनन और जीवित रहने के लिए संसाधनों की तलाश में मौसम के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जाना, संसाधनों की बहुतायत के समय ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए पाचन क्रिया को समायोजित करना और उपवास के दौरान ऊर्जा बचाने के लिए शरीर के तापमान और चयापचय दर में नियंत्रित कमी करना शामिल है। चमगादड़ से लेकर गीदड़, मेंढक, लोमड़ी और सांप जैसे रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के लिए चंद्रमा का चक्र, रात की रोशनी का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न बनाता है, जो उनके व्यवहार, शारीरिक बनावट और जीवन-इतिहास की विशेषताओं को आकार देता है। चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं हवा, जमीन और पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में अलग-अलग पोषण स्तर पर दर्ज की गई हैं, जिससे यह पता चलता है कि चंद्रमा का चक्र वैश्विक स्तर पर पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद, जीवों की पारिस्थितिकी और विकास पर चंद्रमा के चक्र के प्रभावों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है, क्योंकि रात में खुले वातावरण में रहने वाले जीवों का अध्ययन करने में कई तरह की स्वाभाविक चुनौतियां आती हैं।

क्या कहते हैं शोध

शोध के नतीजों से नाइटजार में चांद के समय के हिसाब से कई अडैप्शन होने और उनके आपस में तालमेल बिठाने का सपोर्ट मिलता है, जिससे वे अमावस्या के आसपास अकाल का समय झेल पाते हैं। इन अडैप्शन में हाइपोथर्मिया में जाने की क्षमता, शरीर के रिजर्व को साइकल के हिसाब से फिर से भरना और थोड़े समय के लिए बहुत ज्यादा खाना स्टोर करने की क्षमता बनाए रखना शामिल है। हम दिखाते हैं कि चांद से जुड़े ऐसे काउंटरमेजर का इस्तेमाल सिर्फ थोड़ा या कुछ समय के लिए किया जाता है, शायद फिटनेस कॉस्ट के कारण जो सालाना साइकिल में अलग-अलग होती है, जिसके नतीजे में जीवन-इतिहास की घटनाओं का चांद के साथ पहले से तय सिंक्रोनाइजेशन होता है।

नाइटजार कीड़ों के शिकारी और बड़े जानवरों के शिकार, दोनों के तौर पर एक अहम ट्रॉफिक जगह रखते हैं अर्थात् भोजन को एक इनाम के तौर से प्राप्त करना। इसलिए, चांद की वजह से होने वाले उनके रोजाना के खाने की एक्टिविटी और एनर्जी बैलेंस में उतार-चढ़ाव कम्युनिटी में फैल सकते हैं, जिससे शिकार की आबादी और शिकारी-शिकार के बीच बातचीत पर इनडायरेक्ट असर पड़ सकता है और आखिर में, बड़े इकोसिस्टम के काम करने के तरीके पर भी असर पड़ सकता है।

यह स्टडी अंधेरे में जीवन के लिए चांदनी की अहमियत को दिखाती है और ऐसे संभावित अडैप्शन का पता लगाती है, जो जीवों को रात के समय की जगह का फायदा उठाने में मदद करते हैं। यह रात में रहने वाले जीवों की सालाना साइकिल ट्रैकिंग स्टडीज में इकोलॉजिकल एनर्जी को शामिल करने की जरूरत पर भी जोर देता है, जो रात की इकोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी कदम है, खासकर तब जब दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा स्पीसीज रात में रहने वाले जीव बन रहे हैं। अपने आसपास भी हम पक्षियों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन देख सकते हैं जोकि शहरी इलाकों, शहर के बाहरी इलाकों और खेतों में विचरण करने और घोंसला बनाकर संतानोत्पत्ति के कार्य में व्यस्त रहते हैं। भारत में ऐसे अध्ययन किए गए हैं। यह भी देखा गया है कि माइग्रेटरी बर्ड्स ज्यादातर चांदनी रातों में ही एक से दूसरे स्थान पर बहुत लंबी दूरी तक उड़ते हैं। सन् 2000 में मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों पर ऐसा ही एक अध्ययन लंदन से प्रकाशित जूलांजी जर्नल में किया था। इसमें यह भी बताया गया कि शहरों के आकाश में कृत्रिम विद्युत रोशनी की चमक इन रात्रिकालीन शिकारियों के व्यवहार और इनके ब्रीडिंग और फोरेजिंग पैटर्न पर विपरीत असर डालती है।

अमेजन जंगल क्यों माना जाता है रहस्यमयी

अमेजन का वर्षावन, जिसे 'पृथ्वी का फेफड़ा' भी कहा जाता है, सदियों से मानव जाति के लिए कौतूहल और रहस्य का केंद्र रहा है। दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला यह विशाल जंगल न केवल अपनी जैव-विविधता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां छिपे अनगिनत अनसुलझे रहस्य इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक बनाते हैं। अमेजन में पौधों और जीवों की इतनी प्रजातियां हैं कि वैज्ञानिकों का मानना है कि हमने अभी तक केवल 10 प्रतिशत हिस्से को ही समझा है। हर साल यहां दर्जनों नई प्रजातियों की खोज होती है, जिससे यह सवाल उठता है कि इस घने अंधेरे विस्तार में और क्या-क्या छिपा हो सकता है?

'उबलती हुई नदी' का रहस्य

पेरू के जंगलों के बीच 'शनाय-तिम्पिशका' (Shanay-timpishka) नाम की एक नदी बहती है, जिसका पानी खौलता रहता है। यहां का तापमान 90 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसमें कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता। सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इस नदी के पास कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है, फिर भी इसका पानी कैसे उबलता है, यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है।

छिपी हुई सभ्यताएं और 'एल डोरेडो'

हजारों वर्षों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के घने जंगलों के बीच सोने का शहर 'एल डोरेडो' छिपा है। हालांकि वह शहर तो नहीं मिला, लेकिन हालिया 'लिडार' (LiDAR) तकनीक के स्कैन से जंगल के नीचे विशाल संरचनाएं, सड़कें और नहरों के जाल मिले हैं। यह संकेत देते हैं कि प्राचीन काल में यहां एक बहुत बड़ी और विकसित सभ्यता निवास करती थी, जो अचानक विलुप्त हो गई।



जनजातियां

अमेजन दुनिया के उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां आज भी ऐसी जनजातियां रहती हैं, जिनका आधुनिक दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। ये लोग अपनी आदिम जीवनशैली में मस्त हैं और बाहरी दुनिया के लिए एक पहली बने हुए हैं। वे कौन सी भाषा बोलते हैं और उनके पास प्रकृति के क्या रहस्य हैं, यह कोई नहीं जानता।

मिट्टी के पिरामिड

हाल ही में बोलिविया और ब्राजील के जंगलों के नीचे विशाल मिट्टी के पिरामिड और ऊंचे चबूतरे मिले हैं। ये संरचनाएं दर्शाती हैं कि यहां कभी भव्य धार्मिक स्थल थे। वैज्ञानिकों को यहां इंसान द्वारा बनाई गई बेहद उपजाऊ काली मिट्टी मिली है। यह मिट्टी हजारों सालों बाद भी उपजाऊ बनी हुई है, जो इस बात का सबूत है कि प्राचीन लोग खेती की उन्नत तकनीक जानते थे।

प्रतिकूल वातावरण और 'अंधेरा'

अमेजन का घनत्व इतना अधिक है कि सूर्य की रोशनी जंगल की सतह तक मुश्किल से पहुंच पाती है। यहां का वातावरण इतना चुनौतीपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद इसके कई हिस्सों में प्रवेश करना लगभग असंभव है। कई खोजकर्ता इस जंगल में गए और कभी वापस नहीं लौटे, जिससे इसके साथ 'शापित' या 'खतरनाक' होने की कहानियां जुड़ गईं।



बाजार	संसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

	सोना	1,56,000 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,61,500 प्रति किलो

हल्द्वानी, शुक्रवार ,8 मई 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2595, राज श्री 1950, फोर्बुन कि . 2700, रविन्द्रा 2540, फोर्बुन 13kg 2370, जय जवान 2125, सचिन 2340, सूरज 2125, अवसर 2125, उजाला 2100, गुहणी 13 kg 2200, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2440, आशीर्वाद मस्टर्ड 2440, स्वास्तिक 2550 किराना :-निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जौरा 24500–25000, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायन 14000–19000, मेथी 7000–8000 सफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकु) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 850, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल (प्रति कुो) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्याइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, मधुबू सेला 4600, गौरी रंछल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेबुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400
दाल दलहन **:-** मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छैंटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छेटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600
चीनी :- द्वारिकेश 4320, बहेड़ी 4300, सितारगंज 4270

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति कि्वंटल में
चावल :- शरबती- 6000–7400 बासमती- 10200–12800 परमल– 2600–3200
दाल दलहन :- काला चना- 5400–6800 साबुत चना दाल- 6000 मूंग साबुत- 10200 राजमा- 11000–12200 दाल उड़द- 9000–11500 साबुत मसूर दाल- 7200–7900 मसूर दाल- 9000 10500 उड़द साबुत- 10200 काबुली चना- 10000–10600 अरहर दाल- 9000–11200 लोबिया/करमानी- 1400–2200

बिजनेस ब्रीफ

एप्पल और क्लीनमैक्स करेंगे ऊर्जा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली । भारत में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए क्लीनमैक्स और एप्पल ने 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की साझेदारी की है। क्लीनमैक्स ने गुजरात को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियों का लक्ष्य देश के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीडिआई) खंड की जरूरतों को ख्वछ ऊर्जा परियोजनाओं की तैनाती के माध्यम से पूरा करना है। यह समझौता कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में तेजी लाने के उद्देश्य से किया गया है।

एमएमटीपी-पीएमपी ने फिर शुरु किया डिजिटल सोना-चांदी खरीद का मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुमूल्य धातुओं को परिष्कृत करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएमपी डिजिटल रूप में सोने और चांदी की खरीद को फिर से शुरू कर दिया है। अब उपभोक्ता गूगल पे, पेटीएम और कंपनी जैसे साझेदार मंचों के अलावा फोन की वेबसाइट और एंड्रॉइड ऐप के माध्यम से सीधे डिजिटल सोने और चांदी की खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी ने सबसे पहले 2017 में डिजिटल सोना और फरवरी, 2023 में चांदी की पेशकश की थी। हालांकि, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए वेबसाइट को नया रूप देने के उद्देश्य से 2024 के अंत में सीधे मंच से बिक्री बंद कर दी गई थी।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी समित युवा ने कहा कि डिजिटल सोना और चांदी कीमती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब केवल उत्पादन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ़, प्रोसेसिंग और निर्यात क्षमता को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को आधुनिक बनाना होगा।

केन्द्रीय मंत्री, गुरुवार को लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित ‘फ्रूट होराइजन 2026’ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी-रेरा

2026 में 400 नई परियोजनाओं को दी जा सकती है मंजूरी, पिछले साल थीं 308

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र-रेरा) के चेयरमैन संजय आर भूस्रेड्डी ने कहा है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते राज्य में संपत्ति बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र-रेरा द्वारा 2026 में 400 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है। पिछले कैलेंडर साल में यह आंकड़ा 308 रहा था।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के चेयरमैन भूस्रेड्डी ने कहा कि राज्य का संपत्ति बाजार अब केवल लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी आई है। भूस्रेड्डी

सेबी ने बंद किया शेयर ब्रोकरों के जोखिम का सुरक्षा प्रणाली मंच ‘आईआरआरए’

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को शेयर ब्रोकरों के लिए निवेशक जोखिम कम करने वाले मंच आईआरआरए को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम्य बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी बाजार में कामकाज जारी रखने की मजबूत व्यवस्था और साइबर सुरक्षा ढांचे के सशक्त होने से यह मंच अब अप्रासंगिक हो गया है।

आईआरआरए (इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस) मंच को एक अक्टूबर, 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ब्रोकरों को शेयर

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार ,8 मई 2026

www.amritvichar.com

उत्पादन ही काफी नहीं, निर्यात क्षमता भी बढ़ानी होगी : शिवराज



लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में कृषि विज्ञानी से बात करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ।

फ्रूट होराइजन 2026

- यूपी बनेगा प्रीमियम फल उत्पादन और निर्यात का बड़ा हब**
- गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ़ और निर्यात मानकों पर होगा विशेष फोकस**

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय फलों की गुणवत्ता सुधारना बेहद जरूरी है। सरकार अब शेल्फ लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और वैश्विक मानकों के अनुरूप

उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीरो रिजेक्शन और प्रीमियम क्वालिटी वाले फलों का उत्पादन भारत को निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

इसके लिए आधुनिक तकनीक,

किसानों की आय बढ़ाने को बनेगी टास्क फोर्स

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि आईसीएआर के वैज्ञानिक संस्थान, एपीडा, निर्यातक और अन्य एजेंसियां मिलकर एक विशेष टास्क फोर्स बनाएंगी। यह टास्क फोर्स उत्पादकों और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान कर समयबद्ध एक्शन प्लान तैयार करेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूपी को मिलेगा क्लीन प्लांट मिशन का लाभ
शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार के ‘क्लीन प्लांटिंग मैटेरियल प्रोग्राम’ के तहत उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने छंटे किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने में एफपीओ, एफपीसी और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा कई निर्यातोन्मुख वलस्टर विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही बताया कि जल्द ही जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी निर्यात परियोजनाएं प्रदेश को फल निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, पैकहाउस और प्रोसेसिंग सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से किसान, वैज्ञानिक, निर्यातक, नर्सरी संचालक, एफपीओ और फल प्रसंस्करण क्षेत्र

एनबीएफसी लाइसेंस लेने की योजना से पेटीएम का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी प्रमुख वन97 कम्प्युनिकेशंस ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस से इनकार किया है। वन97 कम्प्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी का चौथी तिमाही का आय संबंधी विवरण देते हुए पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने गुरुवार को कहा कि हम एनबीएफसी लाइसेंस लेने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। पेटीएम की प्राथमिकता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझेदारी मॉडल की है। जिसमें पेटीएम वितरण, प्रौद्योगिकी एवं वसूली का काम संभालता है जबकि उसके प्रतिष्ठित ऋा साझेदार पूंजी, जोखिम एवं चक्रीय उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करते हैं।

को मंजूरी मिलने की संभावना है। रेरा अधिनियम के अन्तर्गत, रियल एस्टेट डेवलपर को अपनी परियोजनाओं को बिक्री के लिए पेश करने से पहले रेरा पंजीकरण प्राप्त करना आवश्यक है।

भूस्रेड्डी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, जिसमें जेवर हवाई अड्डा भी शामिल है, के कारण रियल एस्टेट की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जहां भी राज्य सरकार ने एक्सप्रेसवे विकसित किए हैं, वहां रियल एस्टेट क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

वालमार्ट ने कहा- भारत सबसे गतिशील व्यापारिक अवसर

नयी दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने भारत को वैश्विक व्यापार में सबसे गतिशील अवसरों में से एक बताते हुए कहा है कि कंपनी अब तक यहां से 40 अरब डॉलर मूल्य का सामान खरीद चुकी है।

फर्नर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाने तथा विनिर्माण क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, ताकि अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें।

कारोबार

शेयर बाजार में अब घरेलू निवेशकों ने थामी पतवार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। देश में शेयर बाजार की तस्वीर तेजी से बदल रही है। लंबे समय तक बाजार की दिशा तय करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की पकड़ अब कमजोर पड़ती दिख रही है, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निर्णायक ताकत बनकर उभर रहे हैं। भारतीय पूंजी बाजार के लिए यह बदलाव एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है, जिसमें बाजार की असली ताकत घरेलू निवेशकों के हाथों में जाती नजर आ रही है।

इस साल की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी-50 कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 20.9 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 17.1 फीसदी रह गई है, यह बीते कई वर्षों का निचला स्तर है। यह बदलाव भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में हो रहे बड़े परिवर्तन का संकेत है।

म्यूचुअल फंडों में बढ़ते एसआईपी निवेश, रिटायरमेंट फंड्स की सक्रियता और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने घरेलू निवेशकों को बाजार का नया आधार बना दिया है। मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 27.2 अरब डॉलर का निवेश किया। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि मार्च के अंत में बाजार में आई तेजी से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों

में कुछ नरमी देखने को मिली। यदि घरेलू निवेशकों की यह प्रवृत्ति जारी रहती है तो विदेशी बिकवाली का असर पहले की तुलना में काफी सीमित रह सकता है।

बाजार में स्थिरता लाता है घरेलू निवेश
आर्थिक सलाहकार और शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार पिछले एक वर्ष में घरेलू निवेशकों ने बैंकिंग, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर और उपभोक्ता क्षेत्र समेत कई सेक्टरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसके विपरीत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अनेक सेक्टरों में हिस्सेदारी कम की है। घरेलू संस्थानों की दीर्घकालिक निवेश रणनीति बाजार में स्थिरता लाती है, जबकि विदेशी निवेश अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील होता है और वैश्विक परिस्थितियों से तेजी से प्रभावित होता है।

घरेलू बचत का वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ता रुझान भारतीय बाजार को दीर्घकालिक मजबूती देगा। इससे बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता घटेगी और उतार-चढ़ाव में कमी आ सकती है। एसआईपी प्रवाह और घरेलू निवेश की रफ्तार बनी रहती है, तो भारतीय शेयर बाजार आने वाले वर्षों में अधिक आत्मनिर्भर और स्थिर स्वरूप में सामने आ सकता है।

श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया न 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की गुरुवार को शुरुआत की।

दिल्ली स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन देशभर के श्रमिकों के लिए सम्मान, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दर्शाता है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस अवसर को ‘श्रम शक्ति’ के सम्मान का दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा दायरे के मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में सरकार ने रोजगार सृजन के जरिये ‘श्रम शक्ति’ और ‘युवा शक्ति’ को सशक्त बनाने का काम किया है।

देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा एक दशक में 30 करोड़ से बढ़कर आज करीब 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है।

कोफोर्ज का मुनाफा दोगुना, एआई से पैदा होंगे नए और ज्यादा लाभ वाले अवसर

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई,पर बाजार नहीं होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से आईटी उद्योग का पारंपरिक ‘लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट’ मॉडल बदल रहा है। हालांकि, कंपनी का मानना ​​है कि इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा, बल्कि नए और ज्यादा मुनाफे वाले अवसर पैदा होंगे।

कंपनी का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपये पहुंच गया एक साल पहले इसी अवधि में यह 308 करोड़ रुपये के आसपास था। वहीं, कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3,422.2 करोड़ रुपये था। कंपनी के सीईओ और कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई से कोड बनाना भले सस्ता हो, लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा और संचालन महंगा पड़ता है। इसलिए आने वाले समय में एआई आधारित सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।



एजेंट एआई बनेगा नया बड़ा बाजार

सुधीर सिंह ने कहा कि जैसे 20 साल पहले कंपनियां क्लाउड टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ी थीं, वैसे ही अब ‘एजेंट एआई’ नई तरह की मैनेज्ड सर्विसेज का बड़ा बाजार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लागू होने के बाद कंपनियों को मॉडल की निगरानी करनी होगी। एआई एजेंट्स को दोबारा ट्रेन करना होगा और पूरे सिस्टम का संचालन संभालना होगा। इससे आईटी कंपनियों के लिए नए बिजनेस अवसर बनेंगे। कोफोर्ज ने निवेशकों को बताया कि पिछले एक एआई आधारित टेक्नोलॉजी सेवाओं का बाजार 160-180

बढ़ती लागत से निपटने को प्रौद्योगिकी अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दृढ़ता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2025 में 650 अरब डॉलर का था। फिक्की और परामर्श कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट ‘भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना – मूल्य श्रृंखला परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका’ गुरुवार को यहां जारी की गई। फिक्की द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि... यह क्षेत्र अब तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।

अरब डॉलर का है। इसके अगले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 800 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोफोर्ज ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने एआई पर 55 लाख डॉलर का निवेश किया।



टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को वरुण चक्रवर्ती की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और लोग भावुक हो जाते हैं।
-इवेन ब्रावो, गेंदबाजी कोच, केकेआर

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 8 मई 2026

बारिश की बाधाओं के बीच जमकर गरजा मार्श का बल्ला, 111 रन ठोके

आईपीएल-2026 : लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आरसीबी को दिया 213 रनों का लक्ष्य

लखनऊ, एजेंसी

इकाना स्टेडियम में हो रहे आईपीएल 2026 का 50वां मुकाबला बारिश के चलते 19-19 ओवरों का कर दिया गया है. लखनऊ ने मिचेल मार्श के शतक के दम पर 3 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए हैं. डीएसएल मेथड के जरिए बेंगलुरु को जीत के लिए 213 का लक्ष्य मिला है. मिचेल मार्श और शिन कुलकर्णी की सलामी जोड़ी ने टीम को धुआंधार शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की. इसके बाद मार्श और पूरन के बीच दूसरे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी हुई है. मार्श 56 गेंदों में 9 चौके और 9 छक्के लगाकर 111 रन बनाकर आउट हुए. अंत में पंत और पूरन के कौमियों के दम पर टीम 200 का स्कोर पार करने में सफल रही.

बता दें, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है. जहां बेंगलुरु ने कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं लखनऊ ने तीन बदलाव किए हैं. आज का मैच बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए खास है. यह उनका 200वां मुकाबला है. भुवनेश्वर 200वां मुकाबला खेलने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं. इस मुकाबले में किंग कोहली के निशाने पर एक मेगा रिकॉर्ड है।



विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते लखनऊ सुपर जायंट्स के मिशेल मार्श।

एजेंसी



बारिश के बीच पिच को बचाने के लिए ग्राउंडस्टाफ कवर लाते हुए।

एजेंसी

अति प्रयोग से बुमराह का प्रदर्शन अस्थिर : उमेश यादव

नई दिल्ली। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव का कहना है कि जसप्रीत बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं और इसी वजह से इस इंडियन प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है जबकि भुवनेश्वर कुमार अपनी स्पष्ट योजना के अलावा पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत की वजह से कामयाब रहे हैं। भुवनेश्वर आईपीएल के इस सत्र में अभी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए नौ मैच में 17 विकेट लिए हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के बुमराह को इस सत्र में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है और उन्होंने 10 मैच में महज तीन विकेट लिए हैं। जियोस्टार के विशेषज्ञ उमेश ने कहा, ‘भूवी और उनकी टीम की योजना स्पष्ट है। वह पावरप्ले और डेथ ओवर, दोनों में गेंदबाजी करते हैं और उनका रणनीति तय है। वह दोनों तरफ गेंद को रिविंग करा सकते हैं। उन्होंने कहा भूवी अपनी लाइन एवं लेंथ और ‘वैरिएशन’ में लगातार एक जैसे रहते हैं जबकि बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं जिससे उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। उमेश ने कहा इस सत्र में मुंबई के लिए बुमराह का प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है। कभी-कभी उन्हें पावरप्ले में गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है, तो कभी-कभी वह ऐसे हालात में गेंदबाज करने आते हैं, जब उन पर कोई दबाव नहीं होता। इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ रहा है। बुमराह के लिए आक्रामक गेंदबाजी के मौके बनाने चाहिए।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026	
आज के मुकाबले	
दिल्ली कैपिटल्स	DELHI CAPITALS
बनाम	
कोलकाता नाइट राइडर्स	
समय - शाम 7:30 बजे	

हाईलाइट



मैं फीफा विश्व कप में वापसी के लिए तैयार हूं: लुइस सुआरेज
मियामी। उरुग्वे के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर लुइस सुआरेज ने कहा कि वह इस साल होने वाले फीफा विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा के साथ सलेस्टे के इंजार्ज हैं। एमएलएस क्लब के साथ एक अभ्यास सत्र के बाद सुआरेज ने पत्रकारों से कहा मैंने कुछ ऐसा कर दिया जो मुझे नहीं कहना चाहिए था। आपको अपनी गलतियां माननी होंगी और यह अब बीती बात है।

गुकेश ने सिंदारोव को हराया, सो से ड्रॉ खेला
वारसा। डी गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियां पूरुखा करते हुए सुपर रैपिड और ब्रिटिश टूर्नामेंट में अपने वेलेंजर जावोखिर सिंदारोव को पांचवें दौर में हराया और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। उजबेकिस्तान के सिंदारोव को हराने के बाद गुकेश ने वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। अब उनके छह अंक हो गए हैं जबकि रैपिड वर्ग में तीन राउंड बाकी हैं। सिंदारोव के खिलाफ जीत से उन्हें दो अंक मिले जबकि ड्रॉ से एक अंक हासिल हुआ। सो नौ अंक लेकर अमेरिका के ही हैंस नीमैन के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ब्लादीमिर फेडोसीव हैं जो एक अंक पीछे हैं। गुकेश, फेबियानो कारुआना, जान क्रिस्टोफ डुडा और मैक्सिम वाचियरेव लगावरे के छह अंक हैं।

अल्टमाएर ने रोम में 2 मैच प्वाइंट बचाए

रोम। डेनियल अल्टमाएर ने बुधवार को रोम में इटैलियन ओपन में तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाकर झंग झीझेन को हराया। एटीपी रैंकिंग में 64वें नंबर के खिलाड़ी अल्टमाएर ने दूसरे सेट में 3-5, 15/40 के स्कोर पर अपनी सर्विस पर मैग पॉइंट बचाए, और फिर 4-6, 7-6(3), 6-4 से जीत हासिल करके इस सीजन में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी को इस जीत का इनाम दूसरे दौर में रोम के दो बार के चैंपियन एलेक्जेंडर ज्येरे से मुकाबले के रूप में मिला है।

तीरंदाजी विश्व कप

कोरिया पर जीत से महिलाओं ने पक्का किया पदक

शंघाई, एजेंसी

भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई। मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भक्त दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4-5 से हार गए।

महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5-1 से मात दी। अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा।



महिला टीम की सदस्य अंकिता भक्त, दीपिका कुमारी और कुमकुम मोहोद।

पुरुष रिकर्व टीम में तरुणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6-2 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58-55 से जीता। दूसरे सेट

में मुकाबला 56-56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। मैच जीतने के लिए अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58-56 से अपने नाम किया। लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है। कोरियाई टीम में दो

पुरुष टीम का रहा निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीय पुरुष टीम ने पहला सेट बांग्लादेश ने के सामने 52-55 से गंवाया। दूसरे सेट में बांग्लादेश ने उसे 54-54 से बराबरी पर रोका। तीसरे सेट में दोनों टीमों का स्कोर 53 रहा। चौथा सेट में बांग्लादेश ने 57-53 से हराया।

नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थीं। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया। क्वाटर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5-4 से जीत दर्ज की।

नई दिल्ली, एजेंसी

पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के ‘करो या मरो’ के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जाएगा। समझा जाता है कि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिए दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाए थे पर जीत फिर भी नहीं मिली थी। इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ

चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा पेरिस सेंट जर्मेन

म्युनिख। पेरिस सेंट जर्मेन ने बायर्न म्युनिख से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उस्मान डेम्बेले ने तीसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। हैरी केन ने स्टॉपेज टाइम में म्युनिख के लिए गोल किया पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके साथ ही उनकी टीम का एक ही सत्र में बूंडेस्लिगा, जर्मन कप और चैम्पियंस लीग जीतने का सपना टूट गया। गत चैंपियन पीएसजी ने औसत के आधार पर 6-5 से जीत दर्ज की। उसने पेरिस में पिछले सप्ताह पहले चरण का मुकाबला 5-4 से जीता था। अब उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में आर्सनल से होगा जिसने एटलेटिको मैड्रिड को हराया।



अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, माधव तिवारी, आशुतोष शर्मा और नीतीश राणा।

एजेंसी

केकेआर का शीर्षक्रम नहीं उतर सका खरा

नई दिल्ली। केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। कप्तान अजिंक्य रहाणे (131.42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137.43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं

बदल सके। रिकू सिंह (145.39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है। दिल्ली के लिए एएल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं।

सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे। धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या सीएसके के नूर अहमद और अकाल हुसैन को नहीं

खेल पाये थे। सुनील (इकोंनॉमी रेट 6.80) और वरुण (इकोंनॉमी रेट 8.88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करुण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती हैं।

रोबिन्हो जूनियर को थप्पड़ मारने पर नेमार ने मांगी माफी

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी

स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने हद पार कर दी और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस युवा को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना पूरी तरह सुलझ गई है। नेमार ने कहा अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते



हैं, तो यह रही नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल कराने वाले खिलाड़ी हैं, जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, बांसिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सबस्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व

अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, हाँ, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसमें मैंने थोड़ी ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियाँ करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी। मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिस से बहुत पसंद करता हूँ, जिसके लिए मेरे मन में ख़ास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है। रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए कई बार माफी मांगी।